जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 50 संख्याः 74 प्रभात कोटा, शुक्रवार 27 दिसम्बर, 2024 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

सी.डब्ल्यु.सी. की बेलगावी बैठक में कुछ ठोस नहीं हुआ: बैठक केवल प्रतीकात्मक ही रही!

तीन घंटे की बैठक में कांग्रेस ने संविधान, अंबेडकर का अपमान, जातिगत जनगणना के बारे में अपनी चिर-परिचित सोच को दोहराया

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर। कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सी.डब्ल्यु.सी.) की बहु-प्रचारित मीटिंग, जो कर्नाटक के बेलगावी में हुई, वास्तविक से कहीं ज्यादा, प्रतीकात्मक थी।

मीटिंग में उस ऐतिहासिक दिन को बड़ी श्रद्धा के साथ याद किया, जब, भारत लौटने के बाद, महात्मा गांधी आज से 100 वर्ष पहले 26 दिसम्बर को कांग्रेस के अध्यक्ष बनाये गये थे। कांग्रेस ने नरेन्द्र मोदी की राजनीति के विरुद्ध अपने रुख तथा सोच, चाहे वह संविधान के बारे में हो, भीमराव अम्बेडकर के बारे में हो या विदेश नीति के बारे में हो, को दोहराया। मीटिंग में इस बिन्दु विचार हुआ कि जातीय जनगणना कराये जाने, तथा दलितों, पिछड़ों तथा अन्य वर्गों के लिये आरक्षण बढ़ाने के लिये संघर्ष को किस तरह आगे बढ़ाया जायेगा। लेकिन संगठन के बारे में न के बराबर ही चर्चा हुई। खड़गे ने यह जरुर कहा कि पूरे संगठन का ढाँचा बदला जायेगा तथा सुधार किया जायेगा, खाली पद भरे जायेंगे तथा सभी वर्गों को समुचित स्थान दिया जायेगा। उन्होंने, कुल मिलाकर, संगठन को पटरी पर लाने की जरुरत बताई।

- कांग्रेसाध्यक्ष ने यह जरूर कहा था बैठक के पहले कि संगठन में आमूल परिवर्तन पुनर्गठन होगा। रिक्त पद भरे जायेंगे तथा सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व मिलेगा।
- उदयपुर में भी संगठन के बारे में ऐसे कई निर्णय लिये गये थे, कोई सा भी निर्णय क्रियान्वित नहीं हुआ है।
- तीन घंटे की बैठक में इस बात पर कुछ भी मंथन नहीं हुआ कि आखिर पार्टी की हालत इतनी गड़बड़ क्यों है तथा पार्टी अब चुनाव जीतने की कला कैसे भूल गई है।
- तथा राहुल गांधी उस सही आदमी को क्यों नहीं ढूंढ पाये, जो संगठन के छोटे-मोटे सभी निर्णय ले सके तथा पार्टी का चार्ज संभाल ले।
- एक वरिष्ठ पार्टी नेता ने बैठक के बाद टिप्पणी की कि केवल मोदी की आलोचना करने से कुछ होने वाला नहीं है। फोकस पार्टी पर होना चाहिए तथा चुनाव जीतने पर होना चाहिए।

उदयपुर में भी, संगठन के सम्बंध में बहुत से निर्णय लिये गये थे, लेकिन अब तक उनमें से किसी पर भी अमल नहीं हुआ है। तीन घंटे की इस प्रतीकात्मक मीटिंग में इन बिन्दुओं पर कोई गहन चर्चा नहीं हुई कि कांग्रेस की असली बीमारी क्या है, अब यह चुनाव जीतने वाली पार्टी क्यों नहीं रही है तथा राहुल संगठन का सही माइक्रोमैनेजमेंट तलाशने में असमर्थ क्यों रहे हैं।

सोनिया गांधी सी.डब्ल्यू.सी. में उपस्थित नहीं हुई थीं, लेकिन उन्होंने सदस्यों के लिये एक संदेश भेजा था।

एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि नरेन्द्र मोदी की आलोचना करते रहने से कांग्रेस को चुनाव जीतने में कोई मदद नहीं मिलनी है।

पार्टी, तथा चुनाव जीतने पर फोकस जरुरी है।

सी.डब्ल्यू.सी. के प्रस्ताव में राहुल गांधी द्वारा प्रायः दोहराये जाने वाले उनके प्रिय बिन्दु ही थे, जिन्हें वे हर अवसर पर दोहराते रहते हैं।

राहुल गांधी ने अपने भाषण में

(शेष पृष्ठ 3 पर)

डॉ.मनमोहन सिंह का निधन

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह का 92 साल की उम्र में निधन हो गया। गुरुवार शाम अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई थी। उन्हें आठ बजे दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के इमरजेंसी वॉर्ड में भर्ती कराया गया, रात 9:51 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली।

- शाम को अचानक तबीयत खराब होने पर उन्हें एम्स में भर्ती कराया था। दो घंटे बाद उनका देहान्त हो गया।

मनमोहन सिंह लंबे समय से स्वास्थ्य संबंधी समस्यों का सामना कर रहे थे। इससे पहले भी उन्हें कई बार स्वास्थ्य कारणों से अस्पताल में भर्ती कराया जा चुका है।

इस खबर के बाद कर्नाटक के बेलगावी में चल रही कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्युसी) की मीटिंग रद्द कर दी गई है। साथ ही 27 दिसंबर को होने वाले सभी प्रोग्राम भी कैंसिल कर दिए

(शेष पृष्ठ 3 पर)

आर.एस.एस. के मुख पत्र ने मोहन भागवत की टिप्पणी की आलोचना की

भागवत ने कहा था कि राम मंदिर बनने के बाद कई नेता यह मानने लगे हैं कि कई जगहों पर ऐसे मंदिर-मस्ज़िद विवाद उठाकर वे हिंदुओं के नेता बन जाएंगे, जो गलत है

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर। एक के बाद एक मंदिर-मस्जिद विवादों के उठाए जाने पर मोहन भागवत की आलोचनापूर्ण टिप्पणियों को लेकर हिन्दू संतों द्वारा अप्रसन्नता व्यक्त किये जाने के बाद, आर.एस.एस. के मुख पत्र, ऑर्गनाइज़र ने भी प्रतिकूल रुख अपनाते हुये कहा है कि "विवादित स्थलों तथा इमारतों का वास्तविक इतिहास जानना सभ्यता संबंधी न्याय के लिए महत्वपूर्ण है।"

पुणे के एक समारोह में भागवत ने कहा था कि अयोध्या में राम मंदिर बनने के बाद, कुछ लोग इस विचार से प्रेरित प्रतीत हो रहे हैं कि वे इस प्रकार के विवाद खड़े करके हिन्दुओं के नेताओं के रूप में उभर सकते हैं।

हिन्दू संतों के एक संगठन, अखिल भारतीय संत समिति ने भागवत की आलोचना की तथा कहा कि सबसे अच्छी बात यह होगी कि इस प्रकार के मामलों का निर्णय आर.एस.एस. नहीं करे तथा यह काम धार्मिक नेताओं के लिये छोड़ दिया जाये। समिति के महासचिव, स्वामी जितेन्द्रानन्द सरस्वती ने कहा था, "जब धर्म का विषय उठता है, तो उसका निर्णय करना धार्मिक गुरुओं का काम है और वे जो भी निर्णय लेंगे, वह संघ और वी.एच.पी. (विश्व हिन्दू परिषद) को स्वीकार होगा।"

"ऑर्गनाइज़र" के ताजा अंक की कवर स्टोरी में यही बात कही गई है, हालाँकि, ऑर्गनाइज़र ने भागवत के नाम का उल्लेख नहीं किया है। संपादकीय में यह तर्क दिया गया है कि संभल की शाही जामा मस्जिद के स्थान पर मंदिर था। ऑर्गनाइज़र में प्रकाशित लेख कहता है, "जिन धार्मिक स्थलों पर अतीत में हमला हुआ या ध्वस्त कर दिया गया, उनसे संबंधित सच को समझना महत्वपूर्ण है।"

ये सारी घटनाएं एवं चर्चा ऐसे समय पर हो रही हैं, जब अदालतों में ऐसी अनेक याचिकाएं दायर हो चुकी हैं, जिनमें संभल की शाही जामा मस्जिद से लेकर अजमेर के दरगाह तक, देश के विभिन्न भागों में स्थित मुस्लिम मस्जिदों तथा मक़बरों के सर्वे की माँग की गई है। सर्वोच्च न्यायालय ने नये मंदिर-मस्जिद मुकदमों को फिलहाल रोक देने के आदेश जारी कर दिये हैं।

लेकिन ऑर्गनाइज़र ने दलील दी है कि इतिहास की सच्ची समझ सभ्यता-संबंधी न्याय (सिविलाइज़ेशनल जस्टिस) प्राप्त करने तथा सभी समुदायों के बीच शान्ति और सामंजस्य को बढ़ाने के लिये अत्यावश्यक है।

- मुख पत्र ऑब्ज़र्वर की राय इसके विपरीत है, उसने कहा कि किसी भी हिंदू/मुस्लिम स्थल का इतिहास जानना जरुरी है, जिससे सांस्कृतिक न्याय मिल सके। इसी से दोनों समुदायों के बीच स्थाई शांति व सद्भाव बना रहेगा।
- साथ ही यह भी कहा है कि "अण्डरस्टैंडिंग ऑफ द ट्रुथ" आवश्यक है। यह जानना जरुरी है कि विदेशी आक्रमण के बाद धार्मिक स्थल किस तरह से नष्ट हुए।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

युवा दलित नेता हो सकता है भाजपा का अगला अध्यक्ष?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर। भारतीय जनता पार्टी विपक्ष का सामना करने के लिये पार्टी अध्यक्ष पद के लिये किसी दलित युवा नेता का चयन कर सकती है।

- चर्चा है कि अंबेडकर के मुद्दे पर भाजपा को दलित विरोधी करार देने के कांग्रेस के प्रचार को मात देने के लिए भाजपा यह कदम उठाने पर विचार कर रही है।

बुधवार को भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के निवास पर एन.डी.ए. नेताओं की मीटिंग हुई तथा शाह द्वारा बाबासाहेब अंबेडकर के अपमान के कांग्रेस के आरोपों की आलोचना की और कहा कि कांग्रेस जनता का ध्यान खींचने के लिए यह सब कर रही है।

15 लाख रूपए सालाना आय पर आयकर में कटौती हो सकती है?

रॉयटर्स ने बताया कि भारत सरकार आगामी बजट में मध्यम वर्ग को राहत देने के उपायों पर विचार कर रही है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर। कहा जा रहा है कि सरकार सालाना 15 लाख रूपए कमाने वालों के लिए आयकर में कटौती करने जा रही है। इससे लाखों शहरी करदाताओं को लाभ हो सकता है। रॉयटर्स ने सरकारी सूत्रों के हवाले से कहा कि वर्ष 2025-26 के केन्द्रीय बजट में मध्यम वर्ग को राहत देने और खर्च करने की क्षमता को बढ़ाने के लिए सरकार कई उपाय घोषित कर सकती है।

इस प्रस्ताव से करदाता को 2020 की कर प्रणाली को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है, जिसमें मकान किराए जैसी छूट समाप्त कर दी गई है, पर इसमें आयकर की दरें कम हैं। इस प्रणाली के तहत 3 से 15 लाख रूपए के बीच की आय पर 5 से 20 प्रतिशत टैक्स लगाया गया है तथा 15 लाख रूपए से ऊपर की आय पर 30 प्रतिशत टैक्स का प्रावधान है। विशेष रूप से नए टैक्स सिस्टम में 3 लाख रूपए की आय पर 0 प्रतिशत, 3 से 7 लाख रूपए की आय पर 5 प्रतिशत,

(शेष पृष्ठ 3 पर)

- भारत में अभी इन्कम टैक्स की दो व्यवस्थाएं प्रचलित हैं, पुरानी में मकान किराया और बीमा पर टैक्स राहत दी जाती है, पर नई व्यवस्था में 3 से 15 लाख रूपए सालाना आय पर 5 से 20 प्रतिशत टैक्स का प्रावधान है।
- नई प्रणाली में तीन से सात लाख रूपए सालाना आय पर 5 प्रतिशत, 7 से 10 लाख रूपए पर 10 प्रतिशत, 10 से 12 लाख रूपए पर 15 प्रतिशत और 12 से 15 लाख रूपए सालाना आय पर 20 प्रतिशत तथा 15 लाख से अधिक आय पर 30 प्रतिशत टैक्स का प्रावधान है।
- सरकार 15 लाख रूपए तक की आय पर इनकम टैक्स घटा कर मध्यम वर्ग को नई टैक्स प्रणाली की ओर आकर्षित करना चाहती है। अभी यह तय नहीं है कि कितनी कटौती होगी।

राजस्थान सरकार

अपील

प्रिय नागरिकों,

हमारे राज्य में सड़क दुर्घटनाओं और इनसे होने वाली मौतें हम सभी के लिए एक गहरी चिंता का विषय हैं। ये दुःखद घटनाएं हमारे समाज के कई घरों में अंधकार ला देती हैं—किसी मां से उसका बेटा छीन लेती हैं, किसी बच्चे को अनाथ बना देती हैं। इस पीड़ा को समझते हुए, मैं आपसे संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ अपील कर रहा हूँ।

सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और पीड़ितों की जीवन रक्षा के लिए हमने 6E रणनीति (एजुकेशन, इंजीनियरिंग, इन्फोर्समेंट, इमरजेंसी केयर, इवैल्यूएशन और एंगेजमेंट) को अपनाते हुए समन्वित प्रयास करने का निर्णय लिया है लेकिन यह प्रयास तभी सफल हो सकता है, जब आप सभी का सहयोग और समर्थन हमारे साथ हो। आइए, हम मिलकर इस गंभीर चुनौती का सामना करें और अपने परिवार एवं समाज को सुरक्षित रखें।

आपकी सुरक्षा के लिए यह कदम उठाएं:

1. सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें: हमेशा हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग करें। यह एक छोटा कदम है, लेकिन आपके और आपके परिवार की सुरक्षा के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है।
2. ट्रैफिक नियमों की जानकारी लें: सड़क सुरक्षा की शिक्षा हर व्यक्ति के लिए अनिवार्य है। अपने बच्चों को भी इन नियमों के प्रति जागरूक बनाएं।
3. रात्रि वाहन चालन में सावधानी बरतें: हाई बीम लाइट का उपयोग न करें और शराब पीकर वाहन चलाने से बचें। अपने प्रियजनों के बारे में सोचें और सुनिश्चित करें कि आप सुरक्षित अपने घर लौट सकें।
4. दुर्घटना की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया दें: तुरंत आपातकालीन सेवाओं को सूचित करें और घायलों की सहायता करें। हर जीवन मूल्यवान है और आपकी त्वरित मदद किसी की जान बचा सकती है।

आप सभी से आग्रह है कि अपने समुदाय और स्वयंसेवी संगठनों के साथ मिलकर सड़क सुरक्षा अभियानों में सक्रिय रूप से भाग लें।

आइए, हम सभी यह संकल्प लें कि अपने राज्य को सड़क दुर्घटनाओं से मुक्त बनाएंगे। आपका सुरक्षित जीवन हमारे लिए सर्वोपरि है।

धन्यवाद।

भजनलाल शर्मा
मुख्यमंत्री, राजस्थान

परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग द्वारा जनहित में प्रसारित

गत वर्ष में तीन सर्वोच्च स्तर के सेना अधिकारी बर्खास्त किये गये हैं चीन में

इन बर्खास्तगियों का कारण औपचारिक रूप से भ्रष्टाचार बताया जाता है, पर, वास्तविक कारण है, राष्ट्रपति ज़ी को किसी भी तरह से चुनौती देने वाले सैन्य संगठन में कभी पनप ही नहीं पायें

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर। चीन अपने शीर्ष सैन्य अधिकारियों के ढांचे में व्यापक बदलाव कर रहा है। एक प्रमुख न्यूज़ एजेंसी ब्लूमबर्ग के अनुसार, मिलिटरी हायरार्की (सैन्य पदानुक्रम) के उच्च स्तर पर लोगों को बर्खास्त किया जा रहा है। समाचार एजेंसी ने इसे मुख्य रुप से भ्रष्टाचार और अधिकारियों द्वारा धन कमाने के खिलाफ की गई कार्यवाही कहा है।

तथापि, जिस तरह से मुख्य अधिकारियों को निकाला जा रहा है, उसमें राजनीतिक एंगल नज़र आता है।

- लगातार, सेना के कमाण्ड स्ट्रक्चर में परिवर्तन करके, नेतृत्व की दृष्टि से राष्टपति ज़ी, किसी समान्तर, "पावर सैन्टर" (सत्ता के केन्द्र) को उगने ही नहीं देते।
- पर, "कमाण्ड स्ट्रक्चर" में लगातार ही अधरझूल की स्थिति बने रहने के दुष्प्रभाव भी हैं। छोटे से देश वियतनाम के समक्ष युद्ध में चीन को घुटने टेकने पड़े थे।
- पर, यह भी सच है कि विश्व की सबसे विशाल चीन की सेना, जिसमें दो करोड़ सैनिक हैं, के लिये साज, सामान, इमारतों का निर्माण लगातार द्रुत गति से हरदम चलता है। दोनों मदों में भारी धन राशि खर्च होती है। अतः भ्रष्टाचार का भी पूरा "स्कोप" बना रहता है।

कम्युनिस्ट पार्टी जनरल सैक्रेटरी और चीन के राष्ट्रपति, शी जिनपिंग लगातार अपनी सुप्रीम पावर प्रमाणित करना और यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि देश में कोई समानान्तर "पावर सैंटर" (सत्ता का केन्द्र) नहीं हो।

सैंट्रल मिलिटरी कमिशन, जो चीन के सैन्य मामलों में निर्णय लेने वाला सर्वोच्च निकाय है, में अब, अध्यक्ष शी जिनपिंग के अलावा केवल दो ही सदस्य हैं। रक्षा मंत्री तथा कमिशन के अन्य सदस्यों सहित, छः अधिकारियों को पिछले कुछ सालों में हटा दिया गया है।

लगातार हो रहे बदलाव तथा उच्च

(शेष पृष्ठ 3 पर)

विचार बिन्दु

आत्मा ही अपना स्वर्ग और नरक है। –उमर खैयाम

सांसदों को सदन में बोलने की पूर्ण आजादी है, उन्हें उन्मुक्ति (Immunity) व विशेषाधिकार (Privileges) प्राप्त है

भारत की संसद राष्ट्रपति तथा राज्य सभा व लोकसभा से मिलकर बनी है। इनमें जो केवल लोकसभा का ही विघटन हो सकता है। राज्यसभा एक शाश्वत सभा है। इसके अतिरिक्त यह अनिवार्य है कि सदैव राष्ट्रपति तथा ऐसा व्यक्ति हो जो राष्ट्रपति के कार्यों का निर्वहन करे। राष्ट्रपति ही दोनों सदनों की बैठक आहूत करते हैं।

संसद लोकतंत्र का मंदिर है। यह लोकसभा यानी लोक सदन है। सांसदों का निर्वाचन जनता प्रत्यक्ष रूप से करती है। कोई व्यक्ति लोकसभा के लिये चुने जाने का तभी पात्र होगा जब वह भारत का नागरिक हो। लोकसभा का अध्यक्ष होता है। इस पद आसीन अधिकारी को स्पीकर भी कहते हैं। यह पद प्रतिष्ठा, प्रताप और आधिकार वाला होता है। अध्यक्ष का दायित्व है कि वह सदन की कार्यवाही का सहज व सुव्यवस्थित ढंग से संचालन करे। सदन के अन्दर तथा सदन से संबंधित सभी मामलों में अध्यक्ष का कथन सबके लिये मान्य होता है। सदन अपनी प्रक्रिया का सर्वाधिकारी होता है। संविधान के अनुच्छेद 118 के अनुसार सदन अपनी प्रक्रिया के तथा कार्य संचालन के लिये नियम बना सकता है। यों अध्यक्ष का पद साधारणत: हाउस ऑफ कॉमन्स के अध्यक्ष के समान होता है।

संसद की किसी कार्यवाही की वैधता को किसी अभिकथित अनियमितता के आधार पर चुनौती नहीं दी जा सकती और संसद का कोई अधिकारी या संसद सदस्य में प्रक्रिया विनियमन अथवा कार्य संचालन के मामलें किसी शक्ति के प्रयोग के लिये न्यायालय की अधिकारिता के अधीन नहीं है। संविधान का अनुच्छेद 122 इस बाबत स्पष्ट निर्देश देता है कि न्यायालयों द्वारा संसद की कार्यवाहियों की जांच नहीं की जावेगी।

संविधान के अनुच्छेद 105 में संसद के दोनों सदनों उनके सदस्यों तथा उनकी समितियों के अधिकारों व विशेष अधिकारों आदि के बाबत प्रावधान दिये गये हैं। विशेषाधिकार ऐसा अधिकार है जिसके बिना सांसद अपने कृत्य का निर्वाहन नहीं कर सकते जिसकी उनके अपेक्षा की जाती है। यों सांसदों को भी वे सब अधिकार तो हैं ही जो सामान्य नागरिक को हैं, किन्तु जब वे संसद में अपने कर्त्तव्य का पालन करते हैं तो उन्हें विशेषाधिकार प्राप्त होते हैं। इनका उल्लेख संविधान के अनुच्छेद 105 में किया गया है। इस विशेषाधिकार में संसद में बोलने की आजादी। उन्हें अपनी कही हुई बात के लिये न्यायिक कार्यवाही से उन्मुक्ति है। उन्हें संविधान के उपबन्धों और संसद की प्रक्रिया का विनियमन करने वाले नियमों तथा स्थायी आदेशों के रहते हुये संसद में बोलने की आजादी है। सांसदों को वे अधिकार प्राप्त हैं जो 26.01.1950 को ब्रिटिश हाउस ऑफ कॉमन्स को प्राप्त थे।

इन प्रावधानों को जो विशेषाधिकार से सम्बन्ध रखते हैं, हम इस प्रकार समझ सकते हैं कि यदि कोई साधारण व्यक्ति कुछ अपमानजनक बात करता है तो उसके विरूद्ध कानूनी कार्यवाही की जा सकती है, किन्तु संसद सदस्य जब सदन में बोलता है तो उसे अन्मुक्ति प्राप्त है। उसके विरूद्ध इस आधार पर कोई कार्यवाही नहीं की जा सकती कि उसका भाषण अपमानजनक या मानहानिकारक था। सदस्य द्वारा संसद में कही गई बात के लिये उसकी आलोचना करना या उसके विरूद्ध कानूनी कार्यवाही करना भी विशेषाधिकार का उल्लंघन है।

माननीय सुप्रीम कोर्ट ने अपने 1958 के निर्णय दिनांक 12.12.1998 में जो एम एस एम शर्मा बनाम श्री कृष्ण सिन्हा के केस में दिया है (1959 AIR 395) साधारण नागरिक की अभिव्यक्ति के अधिकार तथा सांसद के विशेषाधिकार में भेद किया है। यह केस सर्चलाईट केस के नाम से प्रसिद्ध है। पटना से प्रकाशित अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र 'सर्च लाईट' के सम्पादक को बिहार विधान सभा की विशेषाधिकार समिति के समक्ष कारण बताने के लिये कहा गया था कि उनके खिलाफ विधानसभा अध्यक्ष और विधानसभा के विशेषाधिकार के हनन के लिये कार्यवाही क्यों न की जावे? (सांसदों पर अनुच्छेद 105 व विधायकों पर अनुच्छेद 194(3) लागू होता है)

लेखक का मत है कि जहां तक विशेषाधिकार के मामलों का संबंध है, सर्चलाईट के केस का निर्णय आज भी अन्तिम निर्णय है।

गत सदन का शीतकालीन सत्र बहुत ही हंगामेदार रहा। पक्ष और विपक्ष एक दूसरे पर जमकर हल्ला बोला। सदन की मर्यादा और वाणी की विनम्रता को ताक में रख दिया। हंगामे से प्रारम्भ हुआ सत्र हंगामें के साथ ही खत्म हो गया। दिनांक 25 नवम्बर को अदाणी मामले में चर्चा की मांग पर हंगामा हुआ और इसी हंगामें से सत्र प्रारम्भ हुआ। हंगामे में ही बाबा साहेब आम्बेडकर के मान-अपमान में ही सत्र की समाप्ति हुई। लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला ने सत्र के समापन पर कहा कि संसद की गरिमा और मर्यादा बनाये रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। संसद के किसी भी द्वार पर धरना-प्रदर्शन करना उचित नहीं है। यदि इसका उल्लंघन होता है तो संसद को अपनी मर्यादा और गरिमा बनाये रखने के लिये जरूरी कार्यवाही करने का अधिकार है। अध्यक्ष जी के इस बयान से यह स्पष्ट होता है कि संसद की मर्यादा और गरिमा बनाये रखने के लिये, मर्यादा भंग करने और गरिमा नष्ट करने वाले सांसदों के विरूद्ध कार्यवाही कर उन्हें दण्डित करने का अधिकार अध्यक्ष को अर्थात् सदन को प्राप्त है।

सदन के इतिहास में शायद इतना हंगामा कभी नहीं देखा गया। लोगों ने सदन की गरिमा को तारतार होते टीवी पर देखा। घटनायें तो बहुत हैं, किन्तु यहां दो घटनाओं का उल्लेख विशेषरूप से किया गया है। एक घटना गृहमंत्री अमित शाह के कथन को लेकर है, जिसके द्वारा बाबा साहिब आम्बेडकर का उन्होंने अपमान किया है, ऐसा आरोप कांग्रेस से लगाया है। दूसरी घटना है उसमें आरोप है कि विपक्ष के लीडर राहुल गांधी ने संसद सदस्यों के साथ धक्का-मुक्की की। एक ओर भाजपा सांसदों ने अनुराग ठाकुर की अगुवाई में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से माफी की मांग पर प्रदर्शन किया तो दूसरी ओर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अगुवाई में विपक्ष ने अमित शाह गृहमंत्री से इस्तीफे व माफी की मांग की और प्रदर्शन किया।

लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला ने सत्र के समापन पर कहा कि संसद की गरिमा और मर्यादा बनाये रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। संसद के किसी भी द्वार पर धरना-प्रदर्शन करना उचित नहीं है। यदि इसका उल्लंघन होता है तो संसद को अपनी मर्यादा और गरिमा बनाये रखने के लिये जरूरी कार्यवाही करने का अधिकार है।

संसद परिसर में धक्का-मुक्की की घटना हुई। आरोप है कि राहुल गांधी ने भाजपा के सांसद मुकेश राजपूत व प्रताप सारंगी को धक्का दिया, उन्हें चोटें आईं और सांसद को धमकी दी। इसकी एफआईआर दर्ज कराई गई है। कांग्रेस ने भी भाजपा के सदस्यों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराई है। देश में जगह जगह कांग्रेस ने इनके विरूद्ध प्रदर्शन किये।

यह माना जा रहा है कि हंगामों के कारण पूरे सत्र में राजसभा का 40.03 प्रतिशत व लोकसभा का 57.08 प्रतिशत ही उत्पकता रही। विधायी कामकाज बहुत कम हुआ। राज्यसभा के अध्यक्ष श्री जगदीप धनकड ने कहा कि यह कटु सत्य परेशान करने वाला है कि सत्र में काम काज बहुत कम हुआ। निरन्तर व्यवधान जनता के भरोसे को घटा रहा है।

संविधान ने लोकसभा ने अध्यक्ष को विशेषाधिकार के हनन पर कार्यवाही करने का अधिकार दिया है। संविधान के अनुच्छेद 105 में यह व्यवस्था है कि संसद में या उसकी समिति में संसद के किसी सदस्य द्वारा की गई किसी बात या प्रकाशन के संबंध में उसके विरूद्ध किसी न्यायालय में कोई कार्यवाही नहीं की जावेगी। संसद सदस्य को विशेषाधिकार प्राप्त हैं। उन्हें वे सब अधिकार प्राप्त होंगे जो समय समय पर विधि द्वारा परिनिश्चित किये गये हैं और तब तक यह नहीं होता, वही होगा जो संविधान (44वां संशोधन) अधिनियम, 1978 की धारा 15 के प्रवृत्त होने से ठीक पहले उस सदन को था।

वस्तुत: सांसदों के लिये विशेषाधिकार का मुद्दा इंग्लैण्ड से प्रारम्भ हुआ ताकि सांसदों को बादशाह द्वारा उत्पीडित होने से बचाया जा सके। भारत में भी स्थिति यही है। किसी सांसद को उत्पीडित करना अथवा उसके द्वारा संसद में या किसी बात के लिये उसके विरूद्ध कोई कदम उठाना संसदीय विशेषाधिकार का हनन माना गया है। सर्च लाईट के मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने निर्णय दिया है कि अनुच्छेद 105 के अधीन सदस्यों को बोलने की आजादी दी है। उनके विरूद्ध कोर्ट में कोई कार्यवाही नहीं होगी। अपने संसदीय कर्त्तव्यों की पालना में सदस्यों द्वारा कही गई बात की जांच-पडताल को सदस्यों के अधिकार में गम्भीर हस्तक्षेप माना जावेगा। सदस्य के सभा (सदन) में दिये गये भाषण से न्यायालय की अवमानना भी हो तो भी न्यायालय में कोई कार्यवाही नहीं होगी। अनुच्छेद 122 न्यायालय के अधिकार क्षेत्र को प्रतिबंधित करता है।

दिनांक 30.05.1997 को बिहार विधानसभा में बहस हो रही थी, उस समय एक बुजुर्ग सदस्य एम पी एन सिंह ने भाषण दिया। उसने मुख्यमंत्री एस के सिन्हा की शासन की कटु आलोचना की। अध्यक्ष ने आपत्तिजनक अंश को निकालने का आदेश दिया। इस प्रकरण के औचित्य की जांच के हेतु विशेषाधिकार समिति को यह मामला भेजा गया। समिति ने कार्यवाही को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के विरूद्ध माना और अनुच्छेद 21 के तहत भी अवैध माना है। प्रतिवादी ने अनुच्छेद 194(3) का सहारा लिया (यह प्रावधान विधायकों पर लागू है और अनुच्छेद 105 के समान है जो सांसदों पर लागू)। हटाया गया भाग प्रकाशन का अधिकृत भाग नहीं बना था। अत: यह विधानसभा के विशेषाधिकार का उल्लंघन था।

हमारे सामने सदन की कार्यवाही के सन्दर्भ में दो घटनायें प्रमुख हैं। एक घटना संविधान निर्माता डा. बाबा साहेब आम्बेडकर पर केन्द्र के गृहमंत्री अमितशाह के सदन में दिये बयान के विषय पर है कि उन्होंने आम्बेडकर का अपमान किया है और कांग्रेस की मांग है कि वे माफी मांगे तथा इस्तीफा दें। यह विवाद निश्चित रूप से संविधान के अनुच्छेद 105 से सम्बन्ध रखता है और विशेषाधिकार का है। यहां भी स्थिति साफ नहीं है कि गृहमंत्री ने जो बाबा साहेब आम्बेडकर के सम्बन्ध में कहा वह वास्तव में अपमानकारक था या उन्होंने यह कहा था कि कांग्रेस ने हमेशा बाबा साहेब का अपमान किया है, उन्हें इस्तीफा देने को विवश किया, उन्हें भारत रत्न नहीं दिया तथा उन्हें चुनाव में हराया। किसी ने 15 सेकण्ड की फिल्म सोशल मीडिया पर लोड की है। यह आरोप है कि जो कुछ डा. आम्बेडकर के लिये कहा है वह अशोभनीय व अपमानजनक है, जबकि भाजपा का कथन है वह भाषण के विषय से भिन्न है। कुछ भी हो, गृहमंत्री अमित शाह ने जो भी कहा उसके लिये उन्हें विशेषाधिकार अनुच्छेद 105 के तहत प्राप्त है और इस पर कोई कार्यवाही नहीं हो सकती। इस प्रकरण को विशेषाधिकार समिति को भेजा जाना चाहिये और संसद अध्यक्ष जी ही इस संबंध में अनुच्छेद 105 की प्रक्रिया के अनुसार निर्णय करें। अन्य किसी संस्था अथवा व्यक्ति को कोई एक्शन लेने का अधिकार नहीं है और वे सब सर्च लाईट केस की नजीर की रोशनी में, यह केस अनुच्छेद 105 के तहत् विशेषाधिकार हनन माना जा सकता है।

जहां तक धक्का-मुक्की वाला मामला है, यह संसद की कार्यवाही के दौरान नहीं हुआ है। दिल्ली पुलिस इस मामले में जांच कर रही है। केमरे के फुटेज की मांग दिल्ली पुलिस ने संसद अध्यक्ष जी से की है। गवाहों के बयान लिये जा रहे हैं। केस की जांच कानुनानुसार की जा रही है। यहां तक कि राहुलजी को भी सीन क्रियेट करने हेतु बुलाया है। चूंकि पुलिस जांच कर रही है, कोर्ट का मामला है अत: गुण दोष पर कुछ भी कहना उचित नहीं है। हाँ, इस पर भी विचार होना चाहिये कि क्या यह प्रसंग भी विशेषाधिकार का हो सकता है? श्रमिक व मालिक के सम्बन्ध के केस मिलते हैं जहां घर से डयूटी पर जाने के समय यदि एक्सीडेण्ट होता है तो श्रमिक को ऑन डयूटी माना जाता है। कहा जाता है राहुल जी संसद में भाग लेने गये थे और संसद के प्रांगण में घटना घटित हुई। यहां लिखना उचित होगा कि कांग्रेस व भाजपा दोनों ही ने एफआईआर दर्ज कराई हैं और घटना के विषय को कोर्ट के अधिकार क्षेत्र का माना है। अत: कोर्ट में कार्यवाही होगी।

संविधान की जय हो, जय हो, जय हो!

-अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

राजस्थान: स्कूली शिक्षा में लड़खड़ाती अंग्रेजी

राजेन्द्र जोशी

सरकार किसी भी दल की हो वह आमजन के कल्याण के लिए कार्य योजनाएँ बनाती है, उसे लागू करती हैव उसके पीछे भावना यही रहती होगी की प्रदेश की जनता को इस योजना का भरपूर लाभ मिलेगा। परंतु सरकार में बैठे हुए नौकरशाह और सरकार चलाने वाले शहंशाह यह नहीं देखते कि किसी भी योजना को प्रारंभ करने से पहले उस पर प्लानिंग की जानी चाहिए, जब प्लानिंग पूरी हो जाए, व्यवस्थित योजना बन जाए, उसके बाद ही क्रियान्वयन होना चाहिए। व्यक्ति और देश-प्रदेश के भविष्य के लिए शिक्षा सबसे ज्यादा जरूरी है। अच्छी शिक्षा ही विकसित राष्ट्र बनाती है। संविधान निर्माता भीमराव अंबेडकर ने कहा था कि शिक्षा वह दूध है जो जितना ज्यादा पीएगा उतना ज्यादा दहाड़ेगा।

राजस्थान की बात करें तो शिक्षा विभाग पिछले अनेक वर्षो से प्रयोगशाला बनकर रह गया है। कई बार तो ऐसा लगता है कि राजस्थान में शिक्षा व्यवस्था केवल नौकरशाहों के भरोसे काम कर रही है। शिक्षा में शिक्षाविदों की भागीदारी अत्यंत आवश्यक होती है, राजस्थान में शिक्षाविदों को शिक्षा विभाग ने शायद पूछना उचित नहीं समझा। इसलिए यहां शिक्षा विभाग की प्रत्येक योजना धराशायी हो जाती है। पिछली राजस्थान सरकार ने महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूले खोली, भावना यही थी कि राजस्थान के बच्चे अंठोजी विषय में कमजोर रहते हैं, उन्हें अंग्रेजी विषय पढ़ाकर राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बराबरी पर लाया जाए। परंतु आधी-अधूरी योजना के तहत खोली गई स्कूलें आज अध्यापकों की बाट जो रही है। कहीं समझदार अभिभावक अपने बच्चों को भरती करने के बाद वापस निकाल रहे हैं, तो कहीं-कहीं पर इन स्कूलों में अभिभावक बच्चों को भर्ती करने से किनारा कर रहे है।

जब से अंधाधुंध महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलें खोलने की घोषणाएं की गई। घोषणा मात्र से ही इंग्लिश मीडियम स्कूलों में अच्छी खासी चल रही सामान्य स्कूलें परिवर्तित हो गई। जब से यह इंग्लिश मीडियम स्कूलें खुली इनमें हिन्दी वाले अध्यापकों को लगा दिया गया। और इन स्कूलों में पर्याप्त मात्रा में अंग्रेजी पढ़ाने वाले शिक्षक ही उपलब्ध नहीं हो पाए। उचित यह होता कि महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल प्रारंभ करने से पहले अंग्रेजी पढ़ाने वाले शिक्षकों का पैनल तैयार किया जाता। उस पैनल में से शिक्षकों का साक्षात्कार लिया जाता, जब समुचित मात्रा में अंग्रेजी पढ़ाने वाले शिक्षक उपलब्ध हो जाते तो उपलब्ध शिक्षकों की संख्या के अनुसार ही स्कूले खोली जाती।

पिछली सरकार ने बगैर सोच-विचार के महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूले में खोल दी। आधी-अधूरी कार्य योजना के कारण अब स्थिति भयावह हो गई। वर्तमान सरकार भी इन स्कूलों से प्यार नहीं कर रही, स्कूलों से प्यार नहीं करने का मतलब है कि उन स्कूलों में अध्यनरत विद्यार्थी और अभिभावक भविष्य को लेकर चिंतित है। वर्तमान समय में महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में अध्ययनरत छात्र ना हिन्दी पढ़ रहे हैं और ना ही अंग्रेजी। स्कूल बेग भी नहीं खुलता।

3737 स्कूलों को इंग्लिश मीडियम में रूपांतरित किया गया था, आज स्थिति यह है कि अगस्त माह में अंग्रेजी पढ़ाने वाले शिक्षकों का साक्षात्कार लिया गया, जिसमें 79 हजार से अधिक शिक्षकों ने आवेदन किया। संभवत यह 79 हजार शिक्षक अंग्रेजी पढ़ाने में परिपक्व होंगे। परंतु इनका चयन अभी तक नहीं किया गया ऐसे में इनमें अध्यनरत बच्चे ना तो अंग्रेजी में पारंगत होंगे और ना हिन्दी में पारंगत रहेंगे। इसलिए सरकारों को चाहिए कि केवल घोषणाओं से वाह-वाह लूटने और नंबर बढ़ाने कि बजाय क्रियान्वयन की गुणवत्तापूर्ण हो।

मजबूत कार्य योजना बनाने के बाद समुचित मात्रा में संसाधन उपलब्ध कराने की क्षमता अगर सरकार में हो तभी योजना लागू की जानी चाहिए। अगर सरकार पूरी तरह संसाधनों के साथ क्षमता के साथ योजना लागू करेगी तो आने वाली सरकारे भी उस योजना को बंद नहीं कर पाएगी। अन्यथा बंद करने के लिए उनके पास यह विषय आ जाता है कि यह आधी अधूरी योजना है। वर्तमान सरकार को चाहिए की महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों को गुणवत्ता के आधार पर देखकर छात्र-शिक्षक अनुपात में इन्हें ठीक से चलाने का प्रयास करें।

-राजेन्द्र जोशी,
शिक्षाविद-साहित्यकार

जैसलमेर में सैलानियों की आवक से होटल व रिसोर्ट हाउसफुल

- एक अनुमान के मुताबिक शहर में इन दिनों रोजाना आठ हजार से ज्यादा गाड़ियां आ रही है
- कई पर्यटकों ने बसों में ही रात बिताने का निर्णय लिया और इस सर्द मौसम में ठिठुरते रहे

जैसलमेर, (नि.सं.)। 55वीं जीएसटी परिषद की 21 दिसम्बर को हुई बैठक की महीनों से पूरे भारत में चर्चा से इस बार उम्मीद से तीन गुना देशी सैलानियों की आवक हो रही है। होटल व्यवसाईयों, रेस्टोरेंट, चाट ठेलों, श्री व्हीलर वालों के चेहरों पर खुशी छाई हुई है। प्रशासन द्वारा जीएसटी परिषद की बैठक तक सभी व्यवस्था सिंगापुर शहर की भांति थी, वर्तमान में वही ढाक के तीन पात वाली स्थति है। हालात यह है कि सैलानियों को आसानी से होटलों में जगह तक नहीं मिल रही है। बुधवार की रात जैसलमेर शहर हाउसफुल नजर आया। जब शहर का भ्रमण किया तो कई जगहों पर सैलानी सड़कों के किनारे खड़े वाहनों में सोते नजर आए।

जैसलमेर में किला पार्किंग में सैलानियों की गाड़ियां।

गांधीनगर गुजरात से आए गोकुल भाई अपने परिजनों व रिश्तेदारों के साथ बस में जैसलमेर घूमने आए हुए थे। उनके साथ 45 यात्री थे। करीब 30 से 40 होटलों में तलाश करने पर भी जगह नहीं मिली। ऐसे में उन्होंने बस में ही रात बिताने का निर्णय लिया और इस सर्द मौसम में ठिठुरते रहे। यह सिर्फ गोकुल भाई के साथ ही नहीं, कई सैलानियों के साथ हुआ, जब वे शहर पहुंचे तो उन्हें जगह नहीं मिली और आखिर सड़क किनारे गाड़ियों को पार्क कर वहीं पर खाना बनाया और खाने के बाद रात में ही वापस यहां से निकल गए। एक अनुमान के मुताबिक शहर में इन दिनों रोजाना 8 हजार से ज्यादा गाड़ियां आ रही है। इसके अलावा ट्रेन, फ्लाइट व बसों से आने वाले सैलानी अलग है।

पर्यटकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए यातायात पुलिस ने यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने के लिए कड़े प्रबंध कर रखे हैं। सोनार दुर्ग जाने व आने के लिए अलग-अलग रास्ते बनाए गए हैं। गड़ीसर चौराहे की तरफ से आने वाली गाड़ियों को ऑफिसर चौराहा से घूमकर देवचंद्रेश्वर मंदिर के सामने से रिंग रोड स्थित पार्किंग पर जाने की व्यवस्था की गई है। वहीं वहां से वापिस बाहर निकलने के लिए ढिब्बा पाड़ा होकर नगर परिषद के पास से मुख्य सड़क से जोड़ा गया है। वाहनों की बढ़ती संख्या के कारण कई जगहों पर व्यवस्था गड़बड़ा रही है पार्किंग स्थल फुल है।

पर्यटन नगरी जैसलमेर में गाड़ियों की पार्किंग की कोई व्यवस्था नहीं है। प्रतिदिन हजारों छोटे-बड़े वाहन आ रहे हैं, लेकिन इन वाहनों को खड़ा करने के लिए जिला प्रशासन व नगर परिषद ने कोई व्यवस्था नहीं की है। इस वजह से सैलानियों को सड़कों के किनारे ही वाहन खड़े करने पड़ रहे हैं। यह समस्या पर्यटन सीजन में हर साल होती है, लेकिन इस ओर न तो नगरपरिषद ध्यान दे रही है और न ही जिला प्रशासान ध्यान दे रहा है।

'अब अभ्यर्थी गर्म कपड़े व जूते पहनकर दे सकेंगे परीक्षा'

- वर्ष 2024 की आखिरी भर्ती परीक्षा में आर.पी.एस.सी. ने सर्दी को देखते हुए राहत दी
- वरिष्ठ अध्यापक (संस्कृत शिक्षा) परीक्षा 28 दिसंबर से शुरू होगी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सर्दी के तीखे तेवर शीतलहर के मद्देनजर वर्ष 2024 की आखिरी भर्ती परीक्षा में अभ्यर्थियों को सर्दी से बचाने के लिए गर्म कपड़े एवं जूते पहनकर परीक्षा देने की राहत दी है। वरिष्ठ अध्यापक (संस्कृत शिक्षा) परीक्षा 28 दिसंबर से शुरू होने जा रही है। पूर्व की परीक्षाओं में अभ्यर्थियों के जूते, दुपट्टा सहित अन्य सामान केंद्र के बाहर ही उतरवा लिया जाता था।

आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि आयोग की ओर से आगामी 28 से 31 दिसंबर तक आयोजित होने वाली वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा में प्रदेशभर के करीब 4 लाख 70 हजार परीक्षार्थी शामिल होंगे। दिसबंर माह के अंतिम सप्ताह में प्रदेश के विभिन्न जिलों में मावठ और शीतलदार के चलते कड़ाके की ठंड पड़ेगी। इसके मद्देनजर आयोग की सुबह की पारी में होने वाली परीक्षा में अभ्यर्थियों को खासी परेशानी होती। पहली पारी का पेपर सुबह नौ बजे शुरू होगा, लेकिन अभ्यर्थियों को सुबह सात बजे से ही परीक्षा सेंटरों पर पहुंचना होता है। आठ बजे बाद परीक्षा केंद्र में एंट्री बंद कर दी जाएगी। सुबह के समय ही सबसे अधिक परेशानी होती है। ऐसे में आयोग ने परीक्षा नियमों में अभ्यर्थी को शिथिलता प्रदान की है।

कृपाण लेकर जा सकेंगे सिख धर्म के अभ्यर्थी :-आयोग सचिव मेहता ने बताया कि अभ्यर्थियों को सर्दी के मौसम को देखते हुए राहत प्रदान की गई है। परीक्षा में सिख धर्म के अभ्यर्थी कड़ा, कृपाण एवं पगड़ी आदि धार्मिक प्रतीक धारण कर परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। फ्रिस्किंग के दौरान इन प्रतीक के अतिरिक्त अन्य कोई संदेहास्पद उपकरण या वस्तु मिलने पर उसे परीक्षा केंद्र पर प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

सचिव मेहता ने बताया कि परीक्षा दो पारियों में आयोजित होगी, जिसमें 28 दिसंबर को सामाजिक विज्ञान की परीक्षा सुबह 9:30 से 12 बजे, हिन्दी दोपहर 2:30 से शाम 5 बजे, 29 दिसंबर को जीके एंड एजुकेशनल साइकोलॉजी सुबह 9:30 से 11:30 बजे, साइंस दोपहर 2:30 से शाम 5 बजे, 30 दिसंबर को गणित सुबह 9:30 से 12 बजे, संस्कृत दोपहर 2:30 से शाम 5 बजे और 31 दिसंबर को इंग्लिश सुबह 9:30 से 12 बजे तक परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा केन्द्र पर किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा प्रारंभ होने के 60 मिनट पूर्व तक ही प्रवेश दिया जाएगा। इसके पश्चात् किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र पर प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

सरकारी स्कूलों में नामांकन घटने पर 40 प्रिंसिपल तलब

प्रिंसिपलों को व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर दिया गया

- संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर सख्त कार्रवाई हो सकती है

बीकानेर, (निसं)। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में नामांकन कम होने और आस-पास रहने वाले बच्चों को स्कूल से नहीं जोड़ने पर शिक्षा विभाग ने 40 प्रिंसिपल को नोटिस देते हुए निदेशालय में तलब किया है। प्रिंसिपल को व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर दिया गया है और संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई हो सकती है। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने 40 प्रिंसिपल को 17 सीसीए के तहत नोटिस दिया था। नोटिस में नामांकन कम होने के साथ ही आस-पास रहने वाले बच्चों को स्कूल से नहीं जोड़ने के आरोप लगाए हैं। अलग-अलग जिलों के 40 प्रिंसिपल को नोटिस के बाद अब व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर दिया गया है। इस दौरान प्रिंसिपल के जवाब संतोषजनक नहीं हुए तो कार्रवाई की जाएगी।

आमतौर पर स्कूल में टीचर्स के पद रिक्त होने, गार्जन के ट्रांसफर होने या फिर किसी अन्य उचित कारण के नामांकन कम होता तो कार्रवाई नहीं होती। इसके विपरित अगर रिजल्ट खराब होने की स्थिति में छात्र-छात्राओं की संख्या कम होती है तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाती है। ये सभी प्रिंसिपल गुरुवार को ही बीकानेर आएंगे और यहां निदेशक के सामने पेश होंगे। जिन जिलों में नामांकन कम होने के कारण सत्रह सीसीए में नोटिस दिए गए हैं, उनमें बीकानेर, बांसवाड़ा, कोटा, भीलवाड़ा, जैसलमेर, नागौर, राजसमंद, प्रतापगढ़, बूंदी, चूरू, जालौर, चित्तौड़गढ़, उदयपुर, टोंक, सिरोही और हनुमानगढ़ के स्कूल प्रिंसिपल शामिल है।

राशिफल शुक्रवार 27 दिसम्बर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

पौष मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2081, विशाखा नक्षत्र रात्रि 8:29 तक, धृति योग रात्रि 10:37 तक, कौलव करण दिन 1:35 तक, चन्द्रमा दिन 1:57 से वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-तुला, मंगल-कर्क, बुध-वृश्चिक, गुरू-वृष, शुक्र-मकर, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज राजयोग रात्रि 8:29 से रात्रि 2:27 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग रात्रि 8:29 से सूर्योदय तक है। महापात योग दिन 2:35 से रात्रि 9:35 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 8:36 तक, लाभ-अमृत 8:36 से 11:10 तक, शुभ 12:28 से 1:45 तक, चर 4:20 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 7:18, सूर्यास्त 5:37

मेष

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है।

सिंह

व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

धनु

आर्थिक/वित्तीय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात अनावश्यक धन खर्च होगा। मन में असंतोष बना रहेगा।

वृष

मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद दूर होने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कन्या

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मकर

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

मिथुन

व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखें। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

तुला

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कुंभ

घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। स्वभाव की तेजी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

वृश्चिक

घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात वर्तमान में चल परेशानियां दूर होने लगेगी।

मीन

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

राजस्थान सरकार साहिबज़ादों के नाम छात्रावास के लिए भूमि देगी

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भाजपा कार्यालय में शबद कीर्तन कार्यक्रम में यह घोषणा की

जयपुर, 26 दिसंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वीर बाल दिवस के अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में शबद कीर्तन कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरान, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि भाजपा सरकार साहिबज़ादों के नाम पर छात्रावास के लिए सिख समाज को जमीन का आवंटन करेगी। उन्होंने कहा कि सिख धर्म के दसवें गुरू गोविंद सिंह के साहिबज़ादों ने मातृ भूमि के लिए,

वीर बाल दिवस पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित शबद कीर्तन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने साहिबज़ादों के नाम पर छात्रावास के लिए सिख समाज को जमीन का आवंटन करने की घोषणा की।

- **मुख्यमंत्री ने कहा, भाजपा का संकल्प है कि सिख धर्म के साहिबज़ादों के बलिदान को देश की युवा पीढ़ी को बताया जाये और उनके आदर्शों पर चलने के लिये प्रेरित किया जाये।**

अपनी संस्कृति और विचारों के लिए दृढ़ता के साथ अपना जीवन बलिदान कर दिया, उनको मेरा कोटि-कोटि नमन। बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह ने धर्म की रक्षा और सत्य के लिए अल्प आयु में ही अपने प्राण न्यौछावर कर दिए, यह हम सब के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अत्याचारी मुगल शासकों ने उन्हें झुकाने और उनका धर्म परिवर्तन करवाने के लिए अनेक अत्याचार किए, लेकिन राष्ट्र और धर्म की रक्षा के लिए साहिबज़ादों ने हंसते हुए मृत्यु को गले लगा लिया। साहिबज़ादों की शहादत हमें बताती है कि धर्म के मार्ग पर चलने के लिए उम्र नहीं, दृढ संकल्प और साहस की आवश्यकता होती है। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि ऐसी माता को भी नमन, जिसने अपने बच्चों में राष्ट्र और धर्म के लिए ऐसे संस्कार और शिक्षा दी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भाजपा का संकल्प है कि सिख धर्म के इन साहिबज़ादों के बलिदान को देश की युवा पीढ़ी को बताया जाए और देश के युवा वर्ग को इनके आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरित किया जाए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साहिबज़ादों के शहादत को राष्ट्रीय बाल दिवस घोषित कर उनकी स्मृति को चिर स्थाई बनाने की दिशा में सराहनीय कार्य किया है

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि मुगलों ने इस्लाम धर्म कबूल करवाने के लिए साहिबज़ादों को यातनाएं दीं, लेकिन उन्होंने सिर झुकाने की बजाय, अपने प्राण न्यौछावर करना उचित समझा। राठौड़ ने कहा कि आज समय के अनुसार हमें जागृत रहने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम समिति के प्रदेश संयोजक प्रणवेन्द्र शर्मा ने बताया कि भाजपा प्रदेश कार्यालय के साथ, प्रदेशभर में वीर बाल दिवस पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। भाजपा मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सी आर चौधरी सहित, भाजपा के अनेक गणमान्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

पारिवारिक न्यायालय ने पत्नी का गुजारा भत्ता तय किया

जयपुर, 26 दिसंबर। पारिवारिक न्यायालय क्रम-1 महानगर प्रथम ने पारिवारिक विवाद से जुड़े एक मामले में कहा है कि पत्नी का भरण-पोषण करना पति का विधिक व नैतिक दायित्व है। न्यायालय ने अप्रार्थी पति को निर्देश दिया है कि वह प्रार्थिया पत्नी को हर महीने भरण-पोषण के लिये15 हजार रुपए भुगतान करे। न्यायालय ने कहा कि अप्रार्थी पति की ओर से अपनी आय के संबंध में दिए जवाब व स्टेटमेंट में गंभीर विरोधाभास है। उसने आय के संबंध में तथ्यों को छिपाया है। अप्रार्थी का यह कहना, कि वह अपने पिता के साथ रंगाई काम से तीन से चार हजार रुपए कमाता है, न्यायोचित प्रतीत नहीं होता। मामले

- **पति ने आय के तथ्यों को छिपाया। न्यायालय ने 40 हजार आय मान कर 15 हजार रूपए गुजारा भत्ता तय किया।**

के तथ्यों व परिस्थितियों को देखते हुए अप्रार्थी की आय 40 हजार रुपए माना जाना सही है। पीठासीन अधिकारी विरेन्द्र कुमार जसूजा ने यह आदेश पत्नी के प्रार्थना पत्र पर दिए।

मामले के अनुसार, प्रार्थिया का निकाह 14 दिसंबर 2012 को अप्रार्थी के साथ मुस्लिम रीति रिवाज से हुआ था, लेकिन शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष का व्यवहार प्रार्थिया से अच्छा नहीं रहा और वे उसे दहेज के लिए शारीरिक व मानसिक तौर पर प्रताड़ित करने लगे। उन्होंने उससे तीन लाख रुपए नगद व एक कार की मांग की। मांग पूरी नहीं होने पर उसे प्रताड़ित कर घर से निकाल दिया। प्रार्थिया बेरोजगार है और पति विदेश में काम कर 80 हजार रुपए कमाता है। ऐसे में उसे भरण पोषण भत्ता दिलाया जाए।

'बेलगावी बैठक में कांग्रेस के भविष्य का एजेंडा तय होगा'

पायलट व शिवकुमार ने कार्यसमिति की बैठक का महत्व रेखांकित किया

महात्मा गांधी नगर , बेलगावी 26 दिसंबर। कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार और सचिन पायलट ने गुरुवार को यहां कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक के दौरान पार्टी के भविष्य की रूपरेखा तय की।

यह बैठक महात्मा गांधी द्वारा 1924 में कांग्रेस अधिवेशन की अध्यक्षता करने की शताब्दी के उपलक्ष्य में आयोजित की गयी है।

इस मौके पर शिवकुमार ने अपने संबोधन में देश को एकजुट करने और राजनीतिक सत्ता की परवाह किए बिना समाज के सभी वर्गों की सेवा करने में कांग्रेस पार्टी की दीर्घकालिक भूमिका पर जोर दिया।

कहा कि पार्टी की विरासत राष्ट्र निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता में गहराई से, यहां तक कि प्रतिकूल समय में भी निहित है।

इस अवसर पर राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने बैठक को संबोधित करते हुए शताब्दी के ऐतिहासिक महत्व को रेखांकित किया

- **महात्मा गांधी ने 1924 में बेलगावी में कांग्रेस अधिवेशन की अध्यक्षता की थी। इस अधिवेशन की शताब्दी के उपलक्ष्य में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक यहां आयोजित की गई है।**

और इसे कांग्रेस के लिए महत्वपूर्ण क्षण बताया। उन्होंने कहा, यह बैठक हमारी पार्टी के भविष्य के एजेंडे के लिए आधार तैयार करेगी। उन्होंने कहा कि आने वाले महीने कांग्रेस के लिए महत्वपूर्ण होंगे क्योंकि वह राष्ट्रीय मंच पर अपनी स्थिति मजबूत करना चाहती है। उन्होंने आने वाले वर्षों में पार्टी के लिए एक स्पष्ट दिशा निर्धारित करने में बैठक के महत्व को भी रेखांकित किया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक आज दोपहर 15 बजे शुरू हुई, जो 1924 के कांग्रेस अधिवेशन की अध्यक्षता करने वाले महात्मा गांधी की 100वीं वर्षगांठ के अवसर पर हुई। ऐतिहासिक महत्व रखने वाले इस स्थल का नाम बदलकर इस अवसर के सम्मान में महात्मा गांधी नवनगर रखा गया है।

बैठक में इंडिया समूह को मजबूत करने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें कांग्रेस नेतृत्व ने आने वाले महीनों में गठबंधन को मजबूत करने और राजनीतिक विरोधियों का मुकाबला करने की रणनीतियों की रूपरेखा तैयार की।

कांग्रेस ने कार्यसमिति की बैठक के अलावा 27 दिसंबर को बड़े सार्वजनिक कार्यक्रम 'जय बापू-जय भीम-जय संविधान' की योजना बनाई है, जिसका उद्देश्य सामाजिक न्याय और समावेशिता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करना है।

राजस्थान भीषण ठंड की चपेट में

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर। दिल्ली-एनसीआर में सुबह और शाम कड़ाके की ठंड पड़ रही है। मौसम विभाग ने दिल्ली-एनसीआर में तीन दिनों तक बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक, एनसीआर के लोगों को 27 और 28 दिसंबर को तेज बारिश और तेज हवा का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान, अधिकतम और न्यूनतम तापमान में ज्यादा गिरावट देखने को नहीं मिलेगी। बारिश के बाद, लोगों को घने कोहरे और तापमान में गिरावट का सामना करना पड़ेगा। मौसम विभाग की ओर से जारी किए गए अलर्ट के मुताबिक, 27 और 28 दिसंबर को तूफान के साथ तेज बारिश हो सकती है।

राजस्थान के अधिकतर इलाके भीषण ठंड की चपेट में हैं और मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार से राज्य में कई जगह बारिश और ओलावृष्टि का अनुमान जताया है। मौसम केन्द्र, जयपुर के अनुसार, बीते 24 घंटे में राज्य में मौसम आमतौर पर शुष्क रहा। इस दौरान कहीं-कहीं घने से अति घना कोहरा छाया रहा और पश्चिमी राजस्थान में 'शीत दिवस' दर्ज किया गया। 27 दिसंबर को कुछ जगहों पर बारिश और

- **दिल्ली-एन.सी.आर. में 3 दिन तेज बारिश का येलो अलर्ट।**

ओलावृष्टि का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार, 28 दिसंबर को कोटा, भरतपुर संभाग में कहीं-कहीं हल्की बारिश होने और शेष अधिकांश भाग में मौसम मुख्यत: शुष्क रहने का अनुमान है, जबकि 29 दिसंबर से मौसम शुष्क रहेगा तथा कहीं-कहीं घना कोहरा छाया रहेगा व तापमान में गिरावट हो सकती है।

कश्मीर भयंकर शीतलहर की चपेट में है और न्यूनतम तापमान जमाव बिंदु से कई डिग्री नीचे पहुंच गया है। शुक्रवार और शनिवार को ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी होने की संभावना है, क्योंकि क्षेत्र में पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव होने की संभावना है। कश्मीर घाटी में रात के तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे घाटी में ठंड का प्रकोप जारी रहा। पारे में गिरावट के कारण, विभिन्न क्षेत्रों में कई जलाशयों और जलापूर्ति लाइन में पानी जम गया है। मौसम विभाग के अनुसार, 29, 30 और 31 दिसंबर को मौसम मुख्यत: शुष्क रहेगा।

राजस्थान हाई कोर्ट को 3 नये जज मिलेंगे

जोधपुर, 26 दिसम्बर (कासं)। नए साल में राजस्थान हाईकोर्ट को तीन नए न्यायाधीश मिलने जा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने राजस्थान के तीन न्यायिक अधिकारियों के नामों की सिफारिश की हैं। इन अधिकारियों में रजिस्ट्रार जनरल प्रमिल कुमार माथुर, जिला एवं सत्र न्यायाधीश जयपुर महानगर द्वितीय चंद्रप्रकाश श्रीमाली और जिला एवं सत्र न्यायाधीश जोधपुर महानगर चंद्रशेखर शर्मा शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने तीनों नामों की सिफारिश केन्द्र सरकार को भेजी है। केन्द्र से हरी झंडी मिलने के बाद, राष्ट्रपति इन तीनों के नियुक्ति वारंट जारी करेंगे। तीनों 1992 बैच के न्यायिक अधिकारी हैं। ज्ञातव्य है कि राजस्थान हाईकोर्ट में 50 जजों की

- **सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने चंद्रशेखर शर्मा, प्रमिल कुमार माथुर व चंद्र प्रकाश श्रीमाल के नाम की सिफारिश की।**

स्वीकृत संख्या है। इस समय हाई कोर्ट में 32 न्यायाधीश नियुक्त हैं।

इन तीन नए जजों के मिलने के बाद हाईकोर्ट में न्यायधीशों की संख्या 35 हो जाएगी, लेकिन उसके बाद भी स्वीकृत संख्या से 15 न्यायाधीश कम रहेंगे। इसके अलावा, साल 2025 में पांच न्यायाधीश रिटायर भी हो जाएंगे। जनवरी माह में जस्टिस पंकज भंडारी, जस्टिस मदन गोपाल व्यास, मई में जस्टिस बीरेन्द्र कुमार, सिंतबर में जस्टिस नरेन्द्र ढढ्ढा और नवम्बर में जस्टिस मनोज कुमार गर्ग रिटायर हो जाएंगे। ऐसे में, हाई कोर्ट में जजों की संख्या घटकर 30 ही रहने वाली है। हालांकि संभावना है कि नए साल में अधिवक्ता कोटे से राजस्थान हाईकोर्ट को कुछ नए जज और मिल सकते हैं।

नीट पीजी में सेवारत चिकित्सकों को बोनस अंक क्यों नहीं दिये?

जयपुर, 26 दिसंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने नीट पीजी-2024 में सेवारत चिकित्सक को बोनस अंकों का लाभ नहीं देने पर स्वास्थ्य विभाग और नीट पीजी बोर्ड के चेयरमैन से जवाब तलब किया है।

जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने ये आदेश डॉ. लोकेश कुमारी की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता सुनील कुमार सिंगोदिया ने अदालत को बताया कि एसएमएस मेडिकल कॉलेज ने नीट के जरिए मेडिकल पीजी कोर्स में प्रवेश के लिए गत 23 सितंबर को नोटिफिकेशन जारी कर काउंसलिंग प्रक्रिया आरंभ की, जिसके अनुसार, अभ्यर्थियों को प्रथम राउंड की काउंसलिंग के लिए 18 नवंबर तक पंजीकरण कराना था। याचिकाकर्ता चिकित्सक प्रथम राउंड की काउंसलिंग में अपना पंजीकरण नहीं करा सकी। वहीं दूसरी ओर, 16 नवंबर, 2024 को विभाग ने अधिसूचना जारी कर यह शर्त लगा दी कि यदि कोई सेवारत चिकित्सक इन सर्विस कैटेगरी में बोनस अंक का लाभ लेना चाहे तो उसे प्रथम राउंड की काउंसलिंग में पंजीकरण कराना होगा। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता द्वितीय

- **राजस्थान हाई कोर्ट ने स्वास्थ्य विभाग और नीट पीजी बोर्ड चेयरमैन से जवाब मांगा।**

और अन्य राउंड की काउंसलिंग के लिए पात्र है, लेकिन इस शर्त से याचिकाकर्ता चिकित्सक को बोनस अंकों का लाभ नहीं मिल पाएगा और उसे मनचाहे विषय की सीट आवंटित नहीं हो पाएगी।

याचिका में कहा गया कि पूर्व के सालों में स्टेट काउंसलिंग के दौरान सभी राउंड की काउंसलिंग में सेवारत चिकित्सकों को उनकी ग्रामीण सेवा में की गई सेवा के अनुरूप, इन सर्विस कैटेगरी के तहत, बोनस अंकों का लाभ दिया जाता रहा है। वहीं, नीट- 2024 के प्रारंभिक नोटिफिकेशन में भी इसका उल्लेख नहीं किया गया था कि प्रथम चरण के बाद अन्य चरणों में सेवारत चिकित्सकों को बोनस अंकों से वंचित रखा जाएगा।

इसके अलावा, किसी पाठ्यक्रम में प्रवेश या भर्ती प्रक्रिया के आरंभ होने के बाद उसके नियमों में बदलाव नहीं किया जा सकता। ऐसे में याचिकाकर्ता को बोनस अंकों का लाभ दिया जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

प्र.मंत्री मोदी एक ही दिन में 58 लाख प्रॉपर्टी काड्र्स का ई वितरण करेंगे

स्वामित्व योजना के तहत इस कार्य के लिए 46 लाख गांवों का चयन किया गया है

नयी दिल्ली, 26 दिसम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए 10 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों के 200 जिलों के 46,000 से अधिक गांवों में संपत्ति मालिकों को स्वामित्व योजना के तहत 50 लाख से अधिक संपत्ति कार्ड वितरित करेंगे।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने गुरूवार को यहां बताया कि सर्वेक्षण की नवनीतम ड्रोन तकनीक के माध्यम से गांवों में घरों के मालिकों को 'अधिकारों का रिकॉर्ड' प्रदान करके ग्रामीण भारत की आर्थिक प्रगति के उद्देश्य से प्रधानमंत्री ने स्वामित्व

- **ये 46,000 गांव दस राज्यों व दो केन्द्र शासित प्रदेशों से हैं। इन राज्यों में राजस्थान भी शामिल है।**

योजना शुरू की थी।

यह योजना संपत्तियों के मुद्रीकरण और बैंक ऋण के माध्यम से संस्थागत ऋण को सक्षम करने, संपत्ति से संबंधित विवादों को कम करने, ग्रामीण क्षेत्रों में संपत्तियों और संपत्ति कर के बेहतर मूल्यांकन की सुविधा प्रदान करने और व्यापक ग्राम-स्तरीय योजना को सक्षम करने में भी मदद करती है।

अभी तक 3 लाख दस हजार से अधिक गांवों में ड्रोन सर्वेक्षण पूरा हो चुका है, जिसमें लक्षित गांवों का 92 प्रतिशत हिस्सा शामिल है। अब तक लगभग डेढ़ लाख गांवों के लिए लगभग 2 करोड 20 लाख संपत्ति कार्ड तैयार किए जा चुके हैं।

यह योजना त्रिपुरा, गोवा, उत्तराखंड और हरियाणा में पूरी तरह से लागू हो चुकी है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्यों तथा कई केंद्र शासित प्रदेशों में ड्रोन सर्वेक्षण पूरा हो चुका है।

भाजपा महिला मोर्चा का केजरीवाल के खिलाफ प्रदर्शन

नयी दिल्ली, 26 दिसम्बर। दिल्ली प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के महिला मोर्चा ने गुरुवार को पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास के बाहर प्रदर्शन किया और उन्होंने प्रदेश की महिलाओं को छलने और महिला सम्मान के नाम पर झूठी तसल्ली देने का आरोप लगाया। मोर्चा की अध्यक्ष ऋचा

- **उन्होंने केजरीवाल पर महिलाओं को छलने का आरोप लगाया।**

पांडेय मिश्रा के नेतृत्व में आयोजित विरोध प्रदर्शन में प्रदेश उपाध्यक्ष योगिता सिंह, मोर्चा की प्रभारी श्याम बाला, प्रदेश प्रवक्ता एवं निगम पार्षद शिखा राय, मोर्चा महामंत्री प्रियल भारद्वाज, प्रदेश उपाध्यक्ष शिखा माथुर, संगीता चौधरी, रेखा सिंह सहित अन्य पदाधिकारी शामिल हुईं।

डॉ.मनमोहन सिंह का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गए हैं। राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे बेलगावी से दिल्ली रवाना हो गए हैं। वे देर रात दिल्ली पहुंचेंगे। प्रियंका गांधी और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा भी एम्स पहुंचे।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह 2004 से 2014 तक भारत के प्रधानमंत्री थे। वह संसद के उच्च सदन राज्यसभा के सदस्य थे। मनमोहन सिंह ने 21 मार्च, 1998 से 21 मई 2004 तक सदन में नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी भी संभाली थी। इसी साल अप्रैल महीने में राज्यसभा से रिटायर हुए थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने संदेश में लिखा, भारत अपने सबसे प्रतिष्ठित नेताओं में से एक डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन पर शोक मना रहा है। साधारण परिवार से उठकर वे एक प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री बने।

उन्होंने वित्त मंत्री सहित विभिन्न सरकारी पदों पर कार्य किया और वर्षों तक हमारी आर्थिक नीति पर एक मजबूत छाप छोड़ी। प्रधानमंत्री के रूप में, उन्होंने लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए व्यापक प्रयास किए। देश के चौदहवें प्रधानमंत्री डॉ. सिंह अपनी नम्रता, कर्मठता और कार्य के प्रति प्रतिबद्धता के लिए जाने जाते हैं।

डॉ. सिंह को कई पुरस्कारों और सम्मानों से सम्मानित किया गया। इनमें से नागरिक सम्मान पद्म विभूषण, भारतीय विज्ञान कांग्रेस का जवाहरलाल नेहरू जन्म शताब्दी पुरस्कार, वर्ष के वित्त मंत्री के लिए एशिया मनी अवार्ड, वर्ष के वित्त मंत्री के लिए यूरो मनी अवार्ड, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय का एडम स्मिथ पुरस्कार, कैम्ब्रिज के सेंट जॉन्स कॉलेज में विशिष्ट प्रदर्शन के लिए राइट पुरस्कार शामिल हैं।

डॉ. सिंह को जापानी निहोन किजई शिम्बुन एवं अन्य संघो द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। डॉ. सिंह को कैंब्रिज एवं ऑक्सफ़ोर्ड तथा अन्य कई विश्वविद्यालयों द्वारा मानद उपाधियां प्रदान की गई।

कांग्रेस माकन पर 24 घंटे में कार्यवाही करे- आतिशी

नई दिल्ली,26 दिसम्बर। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच बयानों को लेकर टकराव शुरू हो गया है। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी और सांसद संजय सिंह ने गुरुवार को कहा, कांग्रेस नेता अजय माकन हमारे नेता अरविंद केजरीवाल को एंटी-नेशनल कहते हैं। क्या उन्होंने भाजपा के किसी नेता के खिलाफ ऐसा आरोप लगाया। आतिशी ने कहा, हम कांग्रेस पार्टी से मांग करते हैं कि वह माकन के खिलाफ 24 घंटे के अंदर कार्रवाई करे। वर्ना हम इंडिया ब्लॉक से कांग्रेस पार्टी को अलग करने के लिए अन्य विपक्षी दलों से बात करेंगे।

संजय सिंह ने कहा कि दिल्ली के अंदर कांग्रेस पार्टी भाजपा के पक्ष में खड़ी हो गई है। कांग्रेस हर वो काम कर रही है, जिससे भाजपा को चुनाव में फायदा हो। दिल्ली के अंदर कांग्रेस के नेता हैं अजय माकन। वे भाजपा की स्क्रिप्ट पढ़ ते हैं। वे भाजपा के कहने पर आम आदमी पार्टी के नेताओं को टारगेट करते हैं।

- **मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा वे इंडिया ब्लॉक से कांग्रेस को निकालने की मांग करेंगी।**
- **अजय माकन ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को देश का फ्रॉड किंग, यानी सबसे बड़ा धोखेबाज बताया।**

कांग्रेस नेता अजय माकन ने 25 दिसंबर को दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल को देश का फ्रॉड किंग, यानी सबसे बड़ा धोखेबाज बताया। माकन ने कहा कि अगर केजरीवाल को एक शब्द में परिभाषित करना हो, तो वो शब्द 'फर्जीवाल' होगा।

माकन ने यह भी कहा कि लोकसभा चुनाव के लिए आप के साथ गठबंधन में आना कांग्रेस की भूल थी, जिसे अब सुधारा जाना चाहिए। केजरीवाल जैसे व्यक्ति पर भरोसा नहीं किया जा सकता। उनकी कोई विचारधारा और कोई सोच नहीं है। वे अपनी राजनैतिक महत्वाकांक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं।

15 लाख रूपए सालाना...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सात से दस लाख रूपए की आय पर 10 प्रतिशत, 10 से 12 लाख रूपए की आय पर 15 प्रतिशत, 12 से 15 लाख रूपए आय पर 20 प्रतिशत और 15 लाख रूपए से अधिक आय पर 30 प्रतिशत टैक्स का प्रावधान है।

वर्तमान में करदाता दोनों सिस्टम में से एक चुन सकते हैं। पुराने सिस्टम में मकान किराए, बीमा आदि खर्चों पर टैक्स राहत दी जाती है। इसमें रेट्स कम है, पर कटौती भी कम है। टैक्स में कटौती से ज्यादा लोग नई टैक्स प्रणाली की तरफ आकर्षित होंगे।

टैक्स कटौती कितनी होगी, यह अभी तय नहीं है। इस बारे में एक फरवरी तक निर्णय हो सकता है। दस लाख रूपए या उससे अधिक कमाने वाले लोग, जो बहुत ही कम, हमारी कुल जनसंख्या का 5 प्रतिशत मात्र है, आयकर से प्राप्त

- **इस प्रावधान से सरकार मध्यम वर्ग को ज्यादा खर्च करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहती है, जो हाई टैक्स और बढ़ती महंगाई से त्रस्त है।**

राजस्व में सर्वाधिक 70 प्रतिशत योगदान देते हैं। इस ग्रुप में प्रोफैशनल्स, व्यापारी और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं, जो 30 प्रतिशत की दर से टैक्स देते है।

भारत विश्व की पांचवी सब से बड़ी अर्थव्यवस्था है, जिसने हाल ही में जुलाई-सितम्बर की तिमाही में गत सात तिमाही की सबसे कम ग्रोथ देखी थी, इससे उपभोक्ता मांग के बारे में चिंता बढ़ गई थी। खाद्य पदार्थों के बढ़ते दामों की वजह से शहरी क्षेत्रों में लग्ज़री आईटम्स पर खर्च कम हुआ है, जिनमें साबुन, शैम्पू और ऑटो मोबाइल प्रमुख है। मध्यम वर्ग की आय बढ़ाने से आर्थिक सक्रियता बढ़ सकती है। सरकार पर इस वर्ग का दबाव है। वह हाई टैक्स और कम वेतन वृद्धि तथा बढ़ती महंगाई से त्रस्त है।

आर.एस.एस...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सिविलाइज़ेशनल जस्टिस की इस तलाश को संबोधित करने का उचित समय आ गया है।" संपादकीय में आगे कहा गया है: "बाबासाहेब अंबेडकर ने जाति-आधारित भेदभाव की जड़ से निपटने के लिये संवैधानिक उपचार उपलब्ध कराये थे, ताकि इसे उखाड़ फैंका जाए।

गत वर्ष में तीन सर्वोच्च स्तर के सेना...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सैन्य पदानुक्रम में स्पष्ट कमांड संरचना नहीं होने से अनिश्चितता पैदा होगी और इस प्रकार सैंट्रल मिलिटरी कमिशन के चेयरमैन तथा चीन के राष्ट्रपति, जो चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के अध्यक्ष भी हैं, के अविवादित नियंत्रण को चुनौती देने वाले कोई भी अन्य सत्ता का केन्द्र पनप नहीं पाएगा।

शी जिनपिंग ने राजनीतिक और सैन्य कमांड संरचना को केवल एक व्यक्ति के हाथों में निरंकुश सत्ता देने की ओर मोड़ दिया है। जिनपिंग की सिंगल कमांड पर कोई प्रश्न नहीं उठा सकता।

वर्तमान वर्ष में करीब 30 टॉप लैवल के जनरल और स्पैशलाइज्ड विंग्स के सैन्य प्रमुखों को बर्खास्त किया गया है।

निकाले गए अधिकांश अधिकारी शी जिनपिंग के अनुयायियों के समूह के वफादार सदस्य थे। तथापि, शीर्ष सैन्य अधिकारियों के चयन में केवल शी जिनपिंग के प्रति वफादारी ही महत्वपूर्ण है।

उच्च सैन्य अधिकारियों की इस तरह से बर्खास्तगी से शी के काम करने के तरीके तथा शीर्ष अधिकारियों के उनके चयन को ही धक्का लगा है। आखिरकार, किसी और ने नहीं, बल्कि शी जिनपिंग ने स्वयं ही इन अधिकारियों का चयन किया था। इनको बर्खास्त करके, सुप्रीम लीडर अपने ही चयन के विरुद्ध एक्शन ले रहे थे।

कुल संख्या की दृष्टि से, चीन का मिलिटरी सिस्टम विश्व में सबसे बड़ा है। चीन की मिलिटरी में करीब दो करोड़ डायरैक्ट सदस्य हैं। मिलिटरी हार्डवेयर में भी चीन की सैन्य प्रणाली सबसे बड़ी है। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के पास युद्धपोतों और नेवल वैसल्स का सबसे बड़ा बेड़ा है। इसके पास दुनिया में सबसे अधिक सैनिक हैं।

लेकिन, इसका मतलब यह नहीं कि यह सबसे मजबूत है। चीन की सेना ने जब वियतनाम पर हमला किया था तो उस छोटे से देश ने चीन की सेना को एक तरह से हरा ही दिया था। भ्रष्टाचार के आधार पर बर्खास्तगी का लगातार बना हुआ खतरा तथा अनिश्चितताएं चीन की सेना को कुछ हद तक कमज़ोर बनाते हैं।

साथ ही, चीन की सेना में भ्रष्टाचार का अवसर बना रहता है, क्योंकि सेना पर बहुत बड़ी रकम खर्च होती है, खासतौर पर सेना के उपकरणों और सुविधाओं पर। अधिकारियों पर अक्सर मिलिटरी रीफिटिंग की योजनाओं और कार्यक्रमों से पैसा निकालने का आरोप लगाया जाता है।

सबसे महत्वपूर्ण और व्यापक परिवर्तन पी.एल.ए. (पीपुल्स लिबरेशन आर्मी) की रॉकेट फोर्स में किए गए हैं।

रॉकेट फोर्स वो एजेंसी है, जो पी.एल.ए. के विशाल मिसाइल भंडार के विकास, तैनाती और प्रबंधन के लिए जिम्मेवार है। इस विंग में उच्चतम निवेश और सबसे महत्वपूर्ण विकास हुए हैं।

रॉकेट फोर्स के कुछ शीर्ष अधिकारियों को भी भ्रष्टाचार के आरोप में बर्खास्त किया गया है। शी ने कूटनीतिक बयान देने के लिए भी अपनी रॉकेट फोर्स का इस्तेमाल किया है। जैसे, जब यू.एस. की हाउस स्पीकर नैन्सी पेलोसी ताईवान की यात्रा पर गई थीं, तब चीन ने अपनी ताकत तथा क्रोध दर्शाने के लिए स्ट्रेट्स के पार मिसाइलों की बौछार की थी।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908

बोरवेल में गिरी मासूम चेतना को बाहर निकालने के प्रयास जारी

- बच्ची की कोई मूवमेंट नहीं मिल रही है, जिससे परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है
- बच्ची को रेस्क्यू करने के लिये दिल्ली से रैट माइनर्स की टीम पर पहुंची

कोटपूतली, (निसं)। कोटपूतली के ग्राम किरतपुरा की ढाणी बडियाली में सोमवार दोपहर करीब दो बजे बोरवेल में गिरी तीन वर्षीय मासूम बालिका चेतना पुत्री भूपेन्द्र चौधरी को करीब 80 घंटों का समय बीत जाने के बाद भी गुरुवार देर शाम तक नहीं निकाला जा सका। बच्ची की कोई मूवमेंट नहीं मिल रही है, जिससे परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। रेस्क्यू अभियान में बरती गई लापरवाही को लेकर ग्रामीणों में स्थानीय प्रशासन के प्रति आक्रोश का माहौल भी देखा जा रहा है। लोगों का कहना है कि घटना वाले दिन ही प्लान ए के साथ प्लान बी के तहत पाइलिंग मशीन बुलाकर कार्य शुरू कर दिया जाता तो चेतना को शायद समय रहते बाहर निकाला जा सकता था।

प्रशासन द्वारा प्लान ए के तहत देशी तरीके से प्रयास विफल रहने के बाद प्लान बी के तहत हरियाणा के गुरूग्राम से मंगवाई गई पाइलिंग मशीन ने गुरूवार सुबह तीन बजे तक करीब 155 फीट गहरा गड्ढा खोदा, जिसके बाद गहराई में पत्थर आ जाने की वजह से करीब तीन घण्टे तक रेस्क्यू अभियान रूका रहा। बाद में पाइलिंग मशीन की बिट चेंज करके 160 फीट तक खुदाई की गई। एनडीआरएफ निरीक्षक योगेश मीणा ने बताया कि इसके बाद पाइलिंग मशीन को बदलकर करीब 170 फीट खुदाई की गई है। देर शाम तक खोदे गये गड्ढे में केसिंग डाली जा रही थी। जिसके बाद इसमें रैट माईनर्स की टीम को उतार कर करीब 20 फीट मैन्युअल खुदाई बोरवेल के डैप्थ में की जाकर बच्ची को रेस्क्यू करने के प्रयास किये जायेंगे। बच्ची हमारे ऊपर हो इससे हम नीचे से बोरवेल में बच्ची तक सबसे सुरक्षित तरीके से पहुंच सकेंगे। फिलहाल जी शेप हुक के जरिये बच्ची को बोरवेल में अटकाया हुआ है।

बोरवेल में गिरी बच्ची को बचाने के लिये रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

बच्ची को रेस्क्यू करने के लिये दिल्ली से रैट माईनर्स की टीम मौहम्मद इरशाद अंसारी के नेतृत्व में फिरोज कुरैशी, राशिद अंसारी, नसीम मलिक दिल्ली से घटना स्थल पर पहुंचे है। टीम के सदस्यों ने बताया कि उत्तराखण्ड टनल हादसे में मजदूरों को बचाने के लिये विशेष तकनीक अपनाई थी। हम जमीन के अन्दर सुरंग से बोरवेल तक हॉरिजोंटल खुदाई करके बच्ची तक पहुंचेंगे। टीम के सदस्य स्थानीय प्रशासन से सम्पर्क कर यहां पहुंचे हैं।

चेतना को बोरवेल से बाहर निकालने में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस सहित स्थानीय पुलिस प्रशासन के तमाम प्रयास अभी तक सफल साबित नहीं हुये हैं। वहीं दूसरी ओर चेतना की मां धोली देवी की बुधवार रात्रि तबीयत बिगड़ गई, जिसका घर पर ही चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा सीएमएचओ डॉ. आशीष सिंह शेखावत के नेतृत्व में उपचार प्रदान किया गया। दूसरी ओर ग्रामीणों में उपज रहे आक्रोश के बीच बुधवार रात्रि 12 बजे जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल भी मौके पर पहुंची, जहां उन्होंने एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस, स्थानीय पुलिस प्रशासन एवं होम गार्ड के अधिकारियों के साथ मिटिंग कर हालातों का जायजा लिया। जिला कलेक्टर ने बच्ची के दादा हरसहाय चौधरी सहित परिजनों व ग्रामीणों से मुलाकात कर समझाइश की। प्लान बी में देरी पर मीडिया से बातचीत करते हुये उन्होंने कहा कि सारी तैयारियां हालातों के अनुसार की जाती है। जिस दिन घटना हुई उसी दिन प्लान बी की तैयारी कर ली गई थी। मशीनों की मूवमेंट व आवागमन में देरी की वजह से सारा समय लगा है।

दुष्कर्म पीड़िता ने मृत बच्ची को जन्म दिया

- आधे घंटे बाद नाबालिग मां ने भी दम तोड़ा, युवक के खिलाफ प्रकरण दर्ज
- 'परिजनों ने लोक लाज के भय से पहले दुष्कर्म को लेकर कोई रिपोर्ट नहीं दी थी'

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर में 13 साल की नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता की मंगलवार रात प्री-मैच्योर डिलीवरी हुई। पीड़िता ने मृत बच्ची को जन्म दिया। इसके कुछ देर बाद ही नाबालिग की भी मौत हो गई। नाबालिग की मौत के बाद परिजन ने सदर थाने में एक युवक के खिलाफ दुष्कर्म का प्रकरण दर्ज करवाया है।

थानाधिकारी हरेंद्र सौदा ने बताया कि थाना क्षेत्र की रहने वाली 13 साल की रेप पीड़िता गर्भवती थी। मंगलवार शाम छह बजे पीड़िता के पेट में अचानक दर्द होने लगा। परिवार के लोग उसे तुरंत अस्पताल लेकर आए। डॉक्टर ने जांच के बाद उसे भर्ती कर लिया। रात करीब 11 बजे नाबालिग ने आठ महीने की प्री-मैच्योर बच्ची को जन्म दिया, लेकिन वह मृत पैदा हुई थी। वहीं, डिलीवरी के आधे घंटे बाद करीब 11.30 बजे नाबालिग ने भी दम तोड़ दिया। सूचना पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। इसके बाद परिजनों की रिपोर्ट पर केस दर्ज कर लिया। बुधवार शाम करीब चार बजे दोनों शवों का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिए। मामले की जांच अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महिला अपराध निवारण की ओर से की जा रही है। सदर थानाधिकारी हरेंद्र सौदा ने बताया कि परिजनों ने लोक लाज के भय से पहले दुष्कर्म को लेकर कोई रिपोर्ट नहीं दी थी। अब रेप पीड़िता और नवजात की मौत के बाद प्रकरण दर्ज करवाया है।

अवैध बजरी से भरे दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

निवाई, (निसं)। सदर थाना पुलिस ने गुरुवार को रात्रि गश्त के दौरान सुनारा गांव के समीप अवैध बजरी परिवहन करते हुए दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियों जब्त किया है। सदर थानाधिकारी जयमल सिंह ने बताया कि पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के आदेशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बृजेंद्रसिंह भाटी के निर्देशों एवं डीवाईएसपी मृत्युंजय मिश्रा के सुपरविजन में गुरुवार को रात्रि गश्त के दौरान अवैध बजरी परिवहन करते हुए सुनारा गांव के तालाब के पास अवैध बजरी के भरे हुए दो ट्रैक्टर ट्रॉलियों को जब्त किया है। उन्होंने बताया कि ट्रैक्टर चालक अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता
सा.नि.वि. कोलाना एयरपोर्ट खण्ड झालावाड़

क्रमांकः-948 दिनांकः- 17.12.2024

निविदा सूचना संख्या 03/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय, की ओर से राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से (1) जिला झालावाड़ में राजकीय कोलाना हवाई पट्टी के अप्रेन एवं हेंगर एवं अन्य इत्यादी कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदको एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादित में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के "एए", "ए", "बी", "सी" एवं "डी" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया हेतु ऑन लाई निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेब साईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।
निविदा फार्म ऑन लाईन दिनांक 23.12.2024 से 13.01.2025 को सांय 6.00 बजे तक डाउनलोड किये जा सकेंगे। ऑन लाईन निविदायें जमा कराने की तिथि 23.12.2024 से 13.01.2025 को सांय 6.00 बजे तक रहेगी। वेब साईट पर वित्तीय बिड दिनांक 14.01.2025 को 6.00 पर खण्ड कार्यालय में खोली जावेगी।

UBN:- PWD2425WSOB12305

अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. कोलाना एयरपोर्ट
खण्ड झालावाड़

DIPR/C/13285/2024

देवनानी ने कोलकाता के आध्यात्मिक स्थलों पर पूजा-अर्चना की

- पश्चिम बंगाल विधानसभा सदन को देखा, देवनानी ने कहा बांग्लादेश की घटनाएं चिन्ताजनक

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने दो दिवसीय कोलकाता यात्रा के दौरान गुरुवार को वहां के विभिन्न आध्यात्मिक स्थलों पर पहुँचकर पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि की कामना की। देवनानी ने कोलकाता के काली घाट स्थित शक्ति पीठ मंदिर में मां काली और दक्षिणेश्वर काली माता मंदिर के दर्शन किये और वे हुगली नदी के पश्चिमी तट पर स्थित बेलुड मठ गये। आध्यात्मिक स्थलों पर देवनानी ने पूजा-अर्चना व आरती कर सर्व कल्याण के लिए प्रार्थना की।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का कोलकाता में सम्मान किया गया।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की कोलकाता में पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष वीमन बनर्जी से शिष्टाचार मुलाकात हुई। बनर्जी ने देवनानी के सम्मान में दोपहर भोज का आयोजन किया। बनर्जी से देवनानी की राजस्थान विधानसभा में किये गये नवाचारों, राजस्थान विधानसभा की संसदीय परम्पराओं और पश्चिम बंगाल विधानसभा की परम्पराओं, शून्यकाल, प्रश्नकाल, विधेयकों के संबंध में विस्तार से चर्चा हुई। इस मौके पर पश्चिम बंगाल के संसदीय कार्य मंत्री सोवनदेव चट्टोपाध्याय, विधानसभा के प्रमुख सचिव सुकुमार राय सहित विधानसभा के अधिकारी मौजूद थे। देवनानी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा अध्यक्ष के साथ वहां की विधानसभा के सदन का अवलोकन किया। बनर्जी ने देवनानी को पश्चिम बंगाल विधानसभा के सदन के साथ विभिन्न दीर्घाओं का अवलोकन कराया। बनर्जी ने देवनानी को पश्चिम बंगाल विधानसभा की विभिन्न समितियों सहित यहां की संसदीय परम्पराओं के बारे में जानकारी दी।

वासुदेव देवनानी की कोलकाता में पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुर्वेदु अधिकारी से मुलाकात हुई। अधिकारी ने देवनानी का शॉल ओढाकर और मां दुर्गा की प्रतिमा भेंट कर सम्मान किया। देवनानी ने कहा कि बांग्लादेश की घटनाएं चिन्ताजनक है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री को ऐसी घटनाओं पर पहल करके कदम उठाये जाने चाहिए।

आप पार्टी से दिल्ली के लोगों का मोहभंग हुआ : शेखावत

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने आम आदमी पार्टी (आप) पर निशाना साधा और कहा कि पिछले 10 साल उठाकर देख लीजिए, दिल्ली के लोगों को ठगने के अतिरिक्त आम आदमी पार्टी ने कोई काम नहीं किया है।

शेखावत गुरुवार को मीडिया से अनौपचारिक बातचीत कर रहे थे। दिल्ली में आम आदमी पार्टी द्वारा महिलाओं को प्रलोभन देने और वहां के अधिकारियों के इसे नकारने के सवाल पर शेखावत ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने जिस तरह की घोषणा की है, उसके उलट वहां के अधिकारियों ने सरकारी रिकॉर्ड पर प्रश्न का उत्तर दिया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि किसी भी तरह की ऐसी कोई योजना नहीं है। बिना किसी योजना के निराधार इस तरह से महिलाओं को भ्रमित करने का काम आम आदमी पार्टी कर रही है। पिछले दस साल में उठाकर देख लीजिए, दिल्ली के लोगों ठगने के अतिरिक्त आम आदमी पार्टी ने कोई काम नहीं किया है। लोगों को झूठे भुलावे देना, झांसे देना और बाद में मुकर जाना, जो सरकार पार्टी विद डिफरेंट के नाम पर बनी थी, उसके आधे से ज्यादा लोग भ्रष्टाचार के केस में जेल में हैं। ऐसी पार्टी से दिल्ली के लोगों का मोहभंग हो गया और अबकी बार भारतीय जनता पार्टी को विजय दिलाने वाले हैं।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने जोधपुर प्रवास के दौरान निज निवास स्थान पर आमजन से मुलाकात की और जन समस्याओं को सुना और यथासंभव समस्याओं के निराकरण का प्रयास किया।

रैकी करते दो आरोपी गिरफ्तार

बौंली-बामनवास, (निसं)। सवाई माधोपुर जिला पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत बाटोदा थाना पुलिस ने बामनवास वृत्ताधिकारी सीताराम मीणा के सुपरविजन में कार्रवाई करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार कर रैकी में प्रयुक्त एक डिजायर कार को जब्त किया है। बाटोदा थाना प्रभारी भरतसिंह ने बताया कि अवैध बनास बजरी परिवहन की रोकथाम के लिए पेट्रोलिंग कर रही पुलिस की जीप एवं जाब्ते की लोकेशन को लेकर रैकी कर रहे बालकृष्ण गुर्जर निवासी जाखोलास व सुमेर सिंह गुर्जर निवासी जाखोलास को गिरफ्तार किया।

बीकानेर में भाजपा नेता के घर पर बुलडोजर चला

- भाजपा नेता के घर की दीवार, एक कमरा और टॉयलेट को तोड़ा
- इस कार्रवाई में जिला प्रशासन ने राजेरा गांव के 80 घर तोड़े

बीकानेर, (निसं)। सड़क चौड़ी करने के लिए निर्माण हटाने के दौरान जिला प्रशासन ने भाजपा नेता के घर पर भी बुलडोजर चला दिया। भाजपा नेता के घर की दीवार, एक कमरा और टॉयलेट को तोड़ दिया। मामला बीकानेर पंचायत समिति के गांव राजेरा का है। इस कार्रवाई में राजेरा गांव के 80 घर तोड़े गए।

बीकानेर संभाग संयोजक (सोशल मीडिया सेल, बीजेपी) कोजूराम सारस्वत ने अपने टूटे हुए घर का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। उन्होंने कैबिनेट मंत्री सुमित गोदारा को टैग करते हुए लिखा कि 'आज हमारा घर टूटा है, कल तुम्हारा गुरूर टूटेगा।' कोजूराम ने बताया कि बीकानेर पंचायत समिति गुंसाईसर से कतरियासर के बीच उनका गांव आता है। इस गांव में ही प्रशासन ने कब्जे तोड़े हैं। करीब 80 घरों को तोड़ दिया गया है। अभी मकान तोड़ने का सिलसिला जारी है। यहां से नेशनल हाईवे निकालने का प्रोजेक्ट है। सारस्वत ने बताया कि इस नेशनल हाईवे को राजेरा गांव के अंदर से निकालने के बजाय बाहर से निकाला जाना चाहिए था। 20 फीट की रोड को 40 फीट करने के लिए 80 घरों को तोड़ा गया है। सारस्वत ने आरोप लगाया कि कैबिनेट मंत्री सुमित गोदारा ने जानबूझकर शीर्ष नेतृत्व और अधिकारियों को गुमराह करके यह सड़क गांव के अंदर से निकाली है। बाइपास नहीं बनने दिया। गरीबों के मकान तोड़े गए हैं। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ने 22 दिसंबर को पहला नोटिस दिया। 24 दिसंबर को मकान तोड़ने शुरू कर दिए। जबकि तोड़फोड़ की कार्रवाई 25 दिसंबर को होनी थी। पहले ही दिन 80 मकान तोड़ दिए गए हैं। कुछ मकान अभी और तोड़े जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इस बारे में केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ से भी बात की थी। जैसे मुझे मालूम चला कि यह फीडबैक आया था कि किसी के मकान नहीं टूटेंगे। लेकिन, कार्रवाई में मकानों को तोड़ दिया गया। सारस्वत ने आरोप लगाया कि राजेरा गांव में पानी की आपूर्ति तक नहीं हो रही। इसके लिए भी सुमित गोदारा ने जलदाय विभाग के अधिकारियों को मना किया हुआ है। लोगों ने 10-10 हजार रुपए लगाकर पानी खरीदा है। सारस्वत ने बताया कि मैं विधानसभा चुनाव में ताराचंद सारस्वत के साथ था। ऐसे में सुमित गोदारा नाराज हो गए। इससे पहले के चुनाव में मैं ही सुमित गोदारा का प्रचार-प्रसार संभाल रहा था। तब गोदारा जीत गए थे और सारस्वत चुनाव हार गए थे। ऐसे में मुझे पिछले चुनाव में सारस्वत के साथ लगना पड़ा था।

कार्यालय नगर परिषद बारां (राज.)
E-Mail : nagarpalikabaran@gmail.com स्टेशन रोड, बारां Phone : 07453-230106

क्रमांक : नपबा / निर्माण / 2024 / 10089-91 दिनांक : 24.12.2024

ई-टेण्डर सूचना संख्या : निर्माण 38/2024-25

नगर परिषद बारां द्वारा राजस्थान सरकार के अभियांत्रिकी विभागो में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको अथवा पीडब्ल्यूएफएआर रूल्स के अन्तर्गत पात्र संवेदको से विभिन्न निर्माण कार्यो के लिये निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाईन निविदा आमन्त्रित की जाती है। संवेदक निविदा प्रपत्र व विवरण पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखें। कार्यो की लागत 9.27 लाख रूपये से 46.87 लाख रूपये तक है तथा UBN No. निम्नानुसार है :-
1. DLB2425WSOB13727, 2. DLB2425WSOB13728, 3. DLB2425WSOB13729, 4. DLB2425WSOB13730, 5. DLB2425WSOB13731

आयुक्त
नगर परिषद बारां

राज.संवाद / सी / 24 / 9548

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय बीकानेर।
Annual Rate Contract for Supply of Imported Items हेतु दर संविदा
(ई -बोली आंमत्रण सूचना संख्या 04/2024-25 (क्रमांक 280 दिनांक 23.12.2024))

इस विश्वविद्यालय के अधीनस्थ ईकाइयों में Supply of Imported Items हेतु दो कवर बिड (तकनीकि व वित्तीय बिड) में दर संविदा हेतु ऑनलाइन ई-बोली आंमत्रित की जाती है, जिसमें पंजिकृत फर्मों हेतु डी.एस.सी. के माध्यम से दिनांक 24.12.2024 से 13.01.2025 को सांय 5.00 बजे तक बोली प्रपत्र डाउनलोड कर अपलोड कर सकते है। UBN VAU2425GLRC00109 का विस्तृत विवरण स्टेट पोर्टल की वेबसाईट htttp//sppp.raj.nic.in विभाग की वेबसाईट www.rajuvas.org एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

राज.संवाद / सी / 24 / 9566 वित्त नियत्रंक

OFFICE OF THE PRINCIPAL S. M.S.MEDICAL COLLEGE & CONTROLLER OF THE ATTACHED HOSPITALS, JAIPUR
No-F/MC/Store/2024-25/5375-78 Dated: 18-12-2024

Notice Inviting Bid

Bid for supply of Various Items for various Department of SMS Medical College for below mentioned items are invited from interested bidder's upto 07.01.2025 at 02.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in) of the state and SMS Medical College, Jaipur. website Department
UBN SMS2425GLRC00355

DIPR/C/13424/2024 PRINCIPAL & CONTROLLER

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता,
सार्वजनिक निर्माण विभाग, वृत सवाई माधोपुर

क्रमांकः 2105 दिनांक 18-12-2020

निविदा सूचना संख्या : 09/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला सवाई माधोपुर में पुलिया मरम्मत कार्यों हेतु मय पाँच वर्ष तक दोष निवारण के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के "ए" एवं "एए" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण बेवसाईट साईट www.dipronline.org व www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
NIB No.: PWD2425A3381
UBN No. :- (1) PWD2425WSOB12415
(2) PWD2425WSOB12417

(हरि सिंह मीना)
अधीक्षण अभियन्ता
सा.नि.वि. वृत सवाई माधोपुर

DIPR/C/13428/2024

कार्यालय उपवन संरक्षक, करौली (राज.)
(गद्का की चौकी करौली Phone & Fax No. 07464-297003
Email: dcf.kroli.forest@rajasthan.gov.in)

Notice Inviting Bid

Bid for Boundry Wall Construction in Range Sapotra are invited from interested bidders. other particulars of bid may be visited on the procurement portal http://sppp.raj.nic.in and http://www.eproc.rajasthan.gov.in of the state.

क्र. सं.	कार्य का विवरण	यू.बी.एन.नम्बर	लागत लाखों में	जारी दिनांक	जमा व खोलने की दिनांक
1	दीवार निर्माण कार्य	UBN No FOR2425WSRC03040	29.78	18.12.2024	30.12.2024 व 31.12.2024

(सुमित बंसल)
DIPR/C/13443/2024 उप वन संरक्षक, करौली

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड टोडाभीम
क्रमांकः 2252-62 दिनांकः 18/12/2024

ई-निविदा सूचना संख्याः 09/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला गंगापुर सिटी (खण्ड टोडाभीम) में सड़क / भवन कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के यथोचित श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण बेवसाईट साईट www.dipronline.org व www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
1. UBN No. PWD2425WSRC12345
2. UBN No. PWD2425WSRC12346
3. UBN No. PWD2425WSRC12347

(के.के.मीना)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड टोडाभीम

DIPR/C/13338/2024

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता,
सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड अकलेरा जिला झालावाड
(pwdaklera@rediffmail.com)

क्रमांकः-1374 दिनांक :-17.12.2024

ई-निविदा सूचना संख्या 11/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से सडक/भवन कार्यों के लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकारके एए, ए, बी, सी, श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई- टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी।
निविदा से सम्बन्धित विवरण वेबसाईट http://dipr.rajasthan.gov.in/tenders.asp व http://www.pwd.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

S.No.	UBN NO.	S.No.	UBN NO.
1	PWD2425WSOB12320	2	PWD2425WSOB12327
3	PWD2425WSOB12328	4	PWD2425WSOB12329
5	PWD2425WSOB12331	6	PWD2425WSOB12332
7	PWD2425WSOB12333	8	PWD2425WSOB12334

DIPR/C/13329/2024 (डी.एस. मीणा) अधिशाषी अभियन्ता, सा.नि.वि. खण्ड अकलेरा

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता,
सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड सांचौर

क्रमांकःअअ / सांचोर / 2024-25/2201 दिनांकः 18-12-2024

निविदा सूचना संख्या : 17 वर्ष 2024-25
NIB No.: PWD2425A3375

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से UCRV योजनान्तर्गत डामर सडक निर्माण कार्य MG नरेगा योजना में विभिन्न डब्ल्यूबीएम सड़क निर्माण व एमएलए लैड में डामरीकरण कार्य व अन्य सड़क मरम्मत कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में कार्य जिनकी लागत राशि रू. 507.47 लाख है के लिए ईटेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।
ऑनलाईन निविदा आवेदन डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख
23 दिसम्बर 2024, 9:30 बजे से 11 जनवरी 2025, सायं 06:00 बजे तक
निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in http:// eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवष्यक है। कार्यवार यू.बी.एन संख्या निम्नानुसार है।
UBN No. - 1. UBNPWD 2425WSOB 12392, 2. UBNPWD 2425WSOB12393
3.UBNPWD2425WSOB12395, 4. UBNPWD 2425WSOB 12397, 5. UBNPWD 2425WSOB12398
6.UBNPWD 2425WSOB 12400, 7. UBNPWD 2425WSOB12401,
8. UBNPWD 2425WSOB12402, 9. UBNPWD 2425WSOB12404,
10. UBNPWD 2425WSOB 12406

(ओम प्रकाश)
अधिशाषी अभियन्ता,
सा.नि.वि. खण्ड सांचौर

DIPR/C/13457/2024

राजस्थान सरकार
निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर
क्रमांकः निदे/अ.ख.अ. नीलामी / नीलामी (ML Bajri XXI)/2024/ई-09533

ई-नीलामी विज्ञिप्त

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के अध्याय- के तहत विभाग के अप्रधान खनिज बजरी के खननपट्टों के आंवटन के लिए निम्नांकित प्लॉट ई-नीलामी के माध्यम से दिये जाने हेतु इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर खुली बोली आमंत्रित की जाती है। संक्षिप्त विवरण इस प्रकार हैः-

जिला	तहसील	राजस्व गांव	प्लॉटो की संख्या
टोंक	पीपलू	डोडवाड़ी	1
		डोडवाड़ी, मूंडिया	1
		वशीपूरा, लाक	1
	देवली	सतवाड़ा	2
		सतवाड़ा, संथली	1
	दूनी	बंथली	4
		बंथली, विजयगढ़	1
योग			11

विशेष नोटः-
1. प्लॉटों का विस्तृत विवरण, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण, ई-ऑक्शन की शर्ते विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी MSTC Ltd. की वेबसाइट www.mstcecommerce.com पर उपलब्ध है।

DIPR/C/13415/2024 (भगवती प्रसाद) IAS निदेशक

राजस्थान सरकार
कार्यालय संयुक्त निदेशक, कृषि (रसायन)
राजकीय कीटनाशी अवशेष परीक्षण प्रयोगशाला दुर्गापुरा, जयपुर-302018
Email gprtldurgapura@gmail.com & jdgprtl.agri@rajasthan.gov.in
क्रमांक-एफ.9(2/33)/सं.नि.रसा./जीपीआरटीएल/आरकेवीआई/उ.क्र.LCMS/2024-25/638
दिनांक-18/12/2024

e-Tender Notice

The Joint Director Agriculture (Chemistry) GPRTL, Durgapura, Jaipur Invites following online bid from the eligible bidder:-

Name of work	Total estimated cost	Bid Start Date	Bid Submission End date & time
Supply and installation of LCMS-MS with related accessories from Manufacturers or their Authorized Distributors/Dealers for the use in GPRTL, Dept. of Agriculture, Durgapura, Jaipur through e- Bid. UBN-AGR2425GLOB00375	Rs 182.50 Lakh (Rs One Crore Eighty Two Lakh Fifty Thousand Only)	20-12-2024 10.00 AM	09-01-2025 11.00 AM

Details may be seen in the bid document at the website of e-procurement portal https://eproc.rajasthan.gov.in/ state public procurement portal https://sppp.rajasthan.gov.in, https://agriculture.rajasthan.gov.in and https://dipr.rajasthan.gov.in

(Ajai Kumar Pachori)
Joint Director Agriculture
(Chemistry)

DIPR/C/13395/2024

राजस्थान सरकार
निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर
क्रमांकः निदे/अ.ख.अ.नीलामी/नीलामी(ML Bajri XIX)/2024/ई-09521

ई-नीलामी विज्ञिप्त

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के अध्याय- के तहत विभाग के अप्रधान खनिज बजरी के खननपट्टों के आंवटन के लिए निम्नांकित प्लॉट ई-नीलामी के माध्यम से दिये जाने हेतु इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर खुली बोली आमंत्रित की जाती है। संक्षिप्त विवरण इस प्रकार हैः-

जिला	तहसील	राजस्व गांव	प्लॉटो की संख्या
शाहपुरा	जहाजपुर	रावतखेड़ा, रामपुरा	1
		तरनियांखेड़ा, ओड़ियाखेड़ा, जामोली	1
		जामोली रामगढ	1
		जामोली रावतखेड़ा	1
सिरोही	पिण्डवाड़ा	नया सानवाडा कोटड़ा, वीरवाड़ा, उन्दरा, परलाई	1
सवाईमाधोपुर	चौथ का बरवाड़ा	अभयपुरा	2
टोंक	देवली	राजमहल	1
		राजमहल, नयागांव	1
		सतवाडा	1
	टोंक	बोरदा	1
		अहमदपुरा	1
योग			12

विशेष नोटः-
1. प्लॉटों का विस्तृत विवरण, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण, ई-ऑक्शन की शर्ते विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी MSTC Ltd की वेबसाइट www.mstcecommerce.com पर उपलब्ध है।

DIPR/C/13345/2024 (भगवती प्रसाद) IAS निदेशक

मैं डीपी वर्ल्ड आईएलटी-20 के तीसरे संस्करण के लिए शारजाह वारियर्स टीम में शामिल होने और उसका नेतृत्व करने के लिए वाकई उत्साहित हूं।

- टिम साउदी

न्यूजीलैंड के गेंदबाज आईएलटी-20 के तीसरे संस्करण में शारजाह वारियर्स की कप्तानी मिलने पर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

विराट कोहली

भारत में हर वर्ष कई खिलाड़ी ऐसे होते हैं जो सर्वाधिक टैक्स का भुगतान करते है। वर्ष 2023-24 के दौरान कई भारतीय क्रिकेटरों ने भी टैक्स का भुगतान किया है। विराट कोहली ने वित्तीय वर्ष 2024 के लिए सबसे अधिक टैक्स क्रिकेटरों की सूची में दिया है। विराट कोहली सबसे अधिक टैक्स देने वाले भारतीय क्रिकेटर है। उन्होंने इस बार 66 करोड़ रुपये का टैक्स दिया है। उनकी ये आय मैच फीस, आईपीएल कॉन्ट्रैक्ट, कई बड़े ब्रांड्स के विज्ञापन के जरिए पैसे कमाते है। बता दें कि विराट कोहली दुनिया के सबसे अधिक कमाई करने वाले खिलाड़ियों में शुमार है।

क्या आप जानते हैं ?... एक टेस्ट मैच में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के खिलाड़ी ग्राहम गूच के नाम है। गूच ने 1990 में भारत के खिलाफ 333 और 123 रन बनाए।

जिला क्रिकेट संघ दौसा

जिला क्रिकेट संघ का शीतकालीन कैम्प 28 से

जयपुर, 26 दिसंबर। जिले के खिलाडियों की प्रतिभा को निखारने के लिए जिला क्रिकेट संघ दौसा द्वारा प्रशिक्षण शिविर शुरू किया जा रहा है। इस कैम्प में छोटे बच्चों की क्रिकेट में छुपी प्रतिभा को बाहर लाने उनके हुनर को सुधारने और विशिष्ट प्रतिभाओं को तलाशने के लिए जिला क्रिकेट संघ दौसा द्वारा 4 दिवसीय शीतकालीन प्रशिक्षण शिविर 28 से 31 दिसम्बर को राजेश पायलट राजकीय स्टेडियम में लगाया जाएगा। जिला क्रिकेट संघ के सचिव बृज किशोर उपाध्याय द्वारा यह बताया गया की शिविर में सभी आयु वर्ग अंडर -14 ,अंडर -16 ,अंडर-19 ,अंडर -23 और सीनियर वर्ग में खेलने वाले सभी खिलाड़ी का आना अनिवार्य। है। इस शिविर के अंतर्गत उनका फिटनेस टेस्ट भी होगा। शिविर में बाहर के अनुभवी कोचों द्वारा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। शिविर में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ी अपने साथ आयु प्रमाण पत्र और आधार कार्ड की प्रतिलिपि साथ लेकर आए सुबह 10 बजे से मौके पर आए खिलाड़ियों का पंजीयन किया जाएगा।

राइडर्स, स्टार्स, राइडर्स और क्वींस बने आज एएमपीएल-25 में विजेता

जयपुर, 26 दिसंबर। एएमपीएल 2025 में आज हुए 4 मुकाबलों में आयोजन सचिव, भगवान दास मंगल ने बताया कि पहला मुकाबले में निर्माण नगर राइडर्स को सुभाष नगर सनरॉज़र्स से वाकओवर मिली। दूसरे मुकाबले में टोंक रोड स्टार्स ने अठावाल फार्म ब्लास्टर्स को 24 रन से हराया जिसकी प्लेयर ऑफ द मैच डिंपल गोयल रहीं। उपाध्यक्ष ललित बोगी और कोषाध्यक्ष संजीव बंसल ने बताया कि दिन के तीसरे मैच में देवी नगर रॉयल्स ने निर्माण नगर रॉयल्स को 8 विकेट से हराया जिसकी प्लेयर ऑफ द मैच शिल्पी रहीं। चौथे मैच में मालवीय नगर चैलेंजर्स ने निर्माण नगर राइडर्स को 7 विकेट से हराया जिसकी प्लेयर ऑफ द मैच दिया डेरेवाला रहीं।

वर्ल्ड ड्रॉप रोबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष बने पूर्व सांसद किरीट प्रेमभाई सोलंकी

जयपुर, 26 दिसम्बर। स्वदेशी खेल ड्रॉप रोबॉल संघ के जनक ईश्वर सिंह आचार्य ने बताया कि स्वदेशी खेल ड्रॉप रोबॉल अब विदेशों में भी अपनी छाप छोड़ रहा है 2008 में हरियाणा के ईश्वर सिंह आचार्य द्वारा शुरू किया गया ये स्वदेशी खेल अपनी सादगी,सस्ते उपकरणों और फिटनेस को बढ़ावा देने वाले स्वरूप के कारण तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, इसे अखिल भारतीय अंतर विश्व विद्यालय प्रतियोगिताओ सहित कई देशों में खेला जा रहा है, ड्रॉप रोबॉल के वैश्विक विकास के लिए गठित वर्ल्ड ड्रॉप रोबॉल फेडरेशन ने अहमदाबाद के पूर्व सांसद ओर समाज सेवा के प्रतीक डॉ किरीट प्रेमभाई सोलंकी को सर्व समिति से वर्ल्ड ड्रॉप रोबॉल फेडरेशन का अध्यक्ष चुना गया है।

चार बल्लेबाजों के अर्धशतकों से ऑस्ट्रेलिया ने पहले दिन मैच पर बनाई पकड़

मेलबर्न, 26 दिसंबर। स्टीव स्मिथ (नाबाद 68), उस्मान ख्वाजा (57), सैम कॉन्स्टास (60) और मार्नस लाबुशेन (72) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को चौथे टेस्ट मैच में पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय छह विकेट पर 311 रन बनाकर मैच पर अपनी पकड़ बना ली है। इससे पहले आज यहां ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया।

बल्लेबाजी करने उतरी उस्मान ख्वाज और सैम कॉन्स्टास की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 89रनों की साझेदारी की। 20वें ओवर में रवींद्र जडेजा ने सैम कॉन्स्टास को पगबाधा आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। कॉन्स्टास ने 65 गेंदों में छह चौके और दो छक्के लगाते हुए पदार्पण टेस्ट में अपना पहला अर्धशतक बनाते हुए (60)रनों की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये मार्नसन लाबुशेन ने उस्मान ख्वाज के साथ मोर्चा संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट लिये 65 रनों की साझेदारी हुई। 45वें ओवर में जसप्रीत बुमराह ने उस्मान ख्वाजा को केएल राहुल के हाथों कैच आउट कराकर इस साझेदारी को तोड़ा। उस्मान ख्वाजा ने 121 गेंदों में छह चौके लगाते हुए (57)रन बनाये।

चायकाल तक ऑस्ट्रेलिया ने 53 ओवरों में दो विकेट पर 176 रन बना लिये थे। इसके बाद वॉशिंगटन सुंदर ने मार्नसन लाबुशेन को कोहली के हाथों कैच आउट कराकर भारत को तीसरी सफलता दिलाई। लाबुशेन 145 गेंदों में सात चाकों की मदद से (72) रन बनाये। अगले ही ओवर में बुमहराह ने ट्रैविस हेड (शून्य) को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद बुमराह ने मिचेल मार्श (चार) को भी अपना शिकार बना लिया। ऑस्ट्रेलिया का छठा विकेट एलेक्स कैरी (31) के रूप में गिरा। उन्हें आकाश दीप ने आउट किया। दिन का खेल समाप्त होने के समय ऑस्ट्रेलिया ने 86 ओवरों में छह विकेट पर 311 रन बना लिये है और स्टीव स्मिथ (नाबाद 68) और कप्तान पैट कमिंस (नाबाद आठ) क्रीज पर मौजूद है। भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह ने तीन विकेट लिये और वॉशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा और आकाश दीप ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

विराट कोहली और सैम कॉन्स्टास के बीच मैच के दौरान हुई बहस

कोहली पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना

मेलबर्न, 26 दिसंबर। ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच खेले जा रहे चौथे टेस्ट के पहले दिन गुरुवार को भारत विराट कोहली और ऑस्ट्रेलिया के लिए पदार्पण कर रहे सैम कॉन्स्टास के बीच टक्कर के बाद बहस हुई। आज यहां खेले जा रहे मैच में घटनाक्रम 10वें ओवर के दौरान उस समय हुआ जब कोहली और कॉन्स्टास ओवर की समाप्ति के बाद पिच पर आपस में टकरा गए। इसके तुरंत बाद दोनों खिलाड़ी आपस में बहस करते हुए देखे गये। उस्मान ख्वाजा ने बीच बचाव किया।

सत्र में बाद में रिप्ले सामने आने पर यह दिखा कि कॉन्स्टास दूसरे छोर की ओर जा रहे थे लेकिन पिच के बाहर से गेंद को हाथ में टॉस करते हुए आ रहे कोहली कॉन्स्टास से टकरा गए।

मैच के बाद कॉन्स्टास ने कहा, मैं समझ नहीं पाया। मैं दस्ताने ठीक कर रहा था और तब कंधे टकरा गए। लेकिन यह क्रिकेट में होता रहता है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कॉमेंट्री के दौरान कहा, जरा देखिए विराट कैसे चल रहे हैं। विराट पिच की दाईं ओर गए और इस टकराव की शुरुआत उन्हीं की ओर से हुई। स्थानीय चैनल से साइमन टॉफेल ने इस घटना को आईसीसी के कोड ऑफ कंडक्ट के तहत अनुचित बताया।

// 67वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप //

कुशाग्र ने पाँच व्यक्तिगत पदक जीतकर तीन नए राष्ट्रीय कीर्तिमान स्थापित किए

जयपुर/भोपाल, 26 दिसंबर। 67वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप 2024 में 17 वर्षीय युवा निशानेबाज कुशाग्र सिंह राजावत ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से इतिहास रच दिया। भोपाल में आयोजित इस प्रतियोगिता में कुशाग्र ने व्यक्तिगत इवेंट्स में कुल पाँच पदक जीते, जिनमें 2 स्वर्ण और 3 रजत पदक शामिल हैं। इसके साथ ही उन्होंने तीन नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाए, जिसमें से एक सीनियर श्रेणी में है। कुशाग्र ने 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन इवेंट में स्वर्ण पदक जीतते हुए नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। इस इवेंट में उन्होंने सीनियर श्रेणी में भी राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाते हुए रजत पदक अपने नाम किया। इसके अलावा, 50 मीटर राइफल प्रोन इवेंट में उन्होंने दूसरा स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कुशाग्र सिंह राजावत की इस उपलब्धि ने न केवल उन्हें भारतीय निशानेबाजी का उभरता सितारा बना दिया है, बल्कि युवा निशानेबाजों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत भी। उनकी यह उपलब्धि भारतीय खेल इतिहास में लंबे समय तक याद रखी जाएगी। भोपाल में आयोजित यह चैंपियनशिप भारतीय निशानेबाजी का सबसे बड़ा मंच है, जहां कुशाग्र का प्रदर्शन भारतीय खेल जगत के उज्जवल भविष्य का संकेत दे रहा है।

द. अफ्रीकी गेंदबाजों ने पाकिस्तान को 211 रन पर समेटा

सेंचुरियन, 26 दिसंबर। डेन पैटरसन (पांच विकेट) और कॉर्बिन बॉश (चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने गुरुवार को पाकिस्तान को पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में 211 के स्कोर पर समेट दिया। आज यहां दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और 15वें ओवर में कॉर्बिन बॉश ने कप्तान शान मसूद (17) को आउट कर दक्षिण अफ्रीका को पहली सफलता दिलाई। अगले ही ओवर में डेन पैटरसन ने सैम अयूब (14) को आउटकर पवेलियन भेज दिया।

इसके बाद 18वें ओवर में पैटरसन ने बाबर आजम (चार) को अपना शिकार बनाकर दक्षिण अफ्रीका को तीसरी सफलता दिलाई। सऊद शकील (14) को कॉर्बिन बॉश ने आउट किया। पहले सत्र का खेल समाप्त होने के समय पाकिस्तान ने 24 ओवरों में चार विकेट पर 88 रन बना लिये थे। भोजनकाल के बाद पाकिस्तान का कोई भी बल्लेबाज दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजी आक्रमण के आगे नहीं टिक सका। कामरान गुलाम ने पाकिस्तान के लिए सर्वाधिक (54)रनों की पारी खेली। पाकिस्तान ने भोजनकाल के बाद मात्र 123 रन जोड़कर अपने छह विकेट गवां दिये। मोहम्मद रिजवान (27), सलमान आगा (18), आमेर जमाल ने (28) रन और खुर्रम शहजाद (10) रन बनाकर आउट हुये। दक्षिण डेन पैटरसन और कॉर्बिन बॉश के गेंदबाजी आक्रमण के आगे पाकिस्तान की पूरी टीम 57.3 ओवर में 211 के स्कोर पर सिमट गई।

जिम्बाब्वे के दो विकेट पर 92 रन

बुलावायो, 26 दिसंबर। बेन करन (68) रनों की अर्धशतकी पारी के दम पर जिम्बाब्वे ने गुरुवार को पहले टेस्ट मैच के पहले दिन भोजनकाल तक अफगानिस्तान के खिलाफ दो विकेट पर 92 रन बना लिये है। भोजनकाल के समय टी काइटानो (नाबाद 13) और सीन विलियम्स (नाबाद 10) रन बनाकर खेल रहे है। आज यहां इससे पहले जिम्बाब्वे ने अफगानिस्तान के खिलाफ टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया।

ओ. एन. दीक्षित मेमोरियल में पदमजा सिंह दो वर्गों के फाइनल में पहुंची

जयपुर, 27 दिसंबर। ओ. एन. दीक्षित मेमोरियल जयपुर जिला बैडमिंटन प्रतियोगिता में आज लड़कियों के चार वर्ग के सेमीफाइनल खेले गए तथा लड़कों के एक वर्ग का सेमीफाइनल खेला गया जिसमें पदमजा सिंह ने लड़कियों के 13 व15 वर्ष की आयु के दोहरे फाइनल में प्रवेश किया। महिला एकल सेमी फाइनल में साधना सीकरवाल ने गुंजन स्वामी को 21 -13, 21-10 से हराया। दूसरे सेमीफाइनल में पायल शर्मा ने रक्षणदा बिष्ट को 21- 19, 21- 15 से परास्त कर महिला एकल के फाइनल में प्रवेश किया। अंडर 11 लड़कियों के एकल सेमीफाइनल मे मिराया फागेरिया ने 21-6, 21-6 से स्वरा तक्षाली को तथा दूसरे सेमीफाइनल मेआराध्या बिश्नोई ने राशि सिंगल को 19-21, 21-16, 21- 14 से परास्त किया। अंडर 13 लड़कियों के मैच में अपेक्षा चौधरी ने रिद्धि सेठिया को 21-12, 21-17 से हराया वहीं पदमजा सिंह ने आराध्या ढींगरा का कड़े संघर्ष भरे मुकाबले में तीन गेमों में 17-21, 21-11, 21 -14 हराया। अंडर 15 लड़कियों में पदमजा सिंह ने आदविका अग्रवाल को कड़े संघर्ष में 21-17, 22 -24, 21- 18 से हराया वहीं आराध्या ढींगरा ने दूसरे सेमीफाइनल में अपेक्षा चौधरी को दो संघर्ष गेमों में 22-20, 21 -16 से परास्त किया। लड़कों के अडर-11 सेमीफाइनल में लक्षित रेवाड ने जय सैनी को तीन गेमों में 15-21, 21 -14, 21-15 से परास्त किया वहीं दूसरे सेमीफाइनल नैतिक बंसल ने बदरुद्दीन हसन को 21 -16, 21-11 से परास्त किया। इसके अलावा लड़कों के अंडर 13 के सेमीफाइनल में सिद्धार्थ, प्रणव मूलचन्दानी, अद्विक मित्तल व मानिक भारद्वाज ने प्रवेश किया।

राजधानी

मुख्यमंत्री ने सड़क सुरक्षा के लिये दिया 6-ई फार्मूला

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को उनके निवास पर आयोजित सड़क सुरक्षा की समीक्षा बैठक को संबोधित किया।

- **सड़क सुरक्षा समीक्षा बैठक लेकर कहा, ''जनवरी से सड़क सुरक्षा अभियान शुरू होगा'**
- **सड़क दुर्घटना में जिम्मेदारी तय कर करें सख्त कार्यवाही : भजनलाल शर्मा**
- **'बोरवेल से होने वाली दुर्घटनाओं की करें रोकथाम, राज्यभर में नहीं हो कोई भी खुला बोरवेल'**

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सड़क सुरक्षा के लिए 6-ई फॉर्मूला दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण एवं प्रभावितों की बेहतर देखरेख के लिये राज्य में 6-ई (एजुकेशन, इंजीनियरिंग, एनफोर्समेंट, इमरजेंसी केयर, इवेल्यूएशन, एन्योजमेंट) आधारित रणनीति के तहत कार्यवाही प्रारंभ की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पहले ई (एजुकेशन) सड़क सुरक्षा के नियमों के बारे में लोगों को शिक्षित किया जाए। दूसरे ई (इजीनियरिंग) के तहत सड़कें, ब्रिज अन्य बुनियादी ढ़ांचे को सुरक्षित और प्रभावी बनाने के लिए बेहतर डिजाइन किया जाए। उन्होंने कहा कि तीसरे ई (एनफोर्समेंट) के तहत यातायात कानूनों की सख्ती से पालना सुनिश्चित किया जाए और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना एवं अन्य दंडात्मक कार्रवाई की जाए। चौथे ई (इमरजेंसी) के तहत दुर्घटना पीड़ितों को त्वरित एवं प्रभावी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाई जाए। उन्होंने कहा पांचवे ई (इवेल्यूएशन) के तहत सड़क सुरक्षा उपायों का नियमित रूप से मूल्यांकन कर सुरक्षा उपायों में सुधार किया जाए तथा छठवें ई (एन्योजमेंट) के तहत समुदाय एवं विभिन्न हितधारकों को सड़क सुरक्षा अभियानों में शामिल किया जाए।

शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित सड़क सुरक्षा की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा एक सामूहिक जिम्मेदारी है, जिसमें सरकार, प्रशासन और जनता सभी का योगदान आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि वे सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए मिशन मोड पर काम करें। उन्होंने कहा कि दुर्घटना संभावित स्थानों को चिन्हित कर इनका शीघ्र सुधार किया जाए तथा प्रदेशभर में चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स को प्राथमिकता के आधार पर ठीक किया जाए।

शर्मा ने कहा कि यातायात नियमों की सख्ती से पालना सुनिश्चित की जाए तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में बैरिकेडिंग, साइन बोर्ड, स्पीड ब्रेकर सहित तमाम प्रबंध सुनिश्चित किया जाए जिससे दुर्घटनाओं की रोकथाम की जा सके। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं के रोकथाम के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए जाएं एवं स्पीड मॉनिटरिंग उपकरण व ऑटोमेटेड चालान प्रणाली लागू की जाए।

उन्होंने कहा कि परिवहन विभाग यह सुनिश्चित करे कि बिना परमिट के वाहनों की सड़कों पर आवाजाही ना हो तथा उल्लंघन करने वालों पर सख्ती से कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि परिवहन विभाग एवं पुलिस विभाग हाइवे पर पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित करें तथा सड़क पर किसी भी वाहन की अवैध रूप से पार्किंग नहीं हो। उन्होंने निर्देश दिए कि सड़क सुरक्षा में कार्य करने वाले व्यक्ति एवं संस्थाओं को विशेष आयोजनों पर सम्मानित किया जाए जिससे दुर्घटना में मदद करने वाले लोग प्रोत्साहित हो। शर्मा ने कहा कि सड़क सुरक्षा के लिए जिला स्तर पर बनी समिति की राज्य स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग हो।

शासन सचिव परिवहन शुचि त्यागी ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से राज्य में सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति, दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में दुर्घटनाओं को रोकने के लिए विभाग द्वारा किए जा रहे कार्य, अवैध कट्स की स्थिति, सड़क सुरक्षा के मानकों की सुनिश्चितता सहित विभिन्न विषयों के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी। इस दौरान उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक यू आर साहू, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोडा, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव सार्वजनिक निर्माण विभाग प्रवीण गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिकी विभाग भास्कर ए. सावंत, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय आलोक गुप्ता, जयपुर कलक्टर जितेंद्र कुमार सोनी, मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. भारती दीक्षित, जयपुर पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ सहित संबंधित विभागों एवं एनएचएआई के अधिकारी उपस्थित रहे।

मीरा बाई व संतों पर टिप्पणी के आरोप मामले में पुलिस जांच रिपोर्ट पेश करे

जयपुर। अतिरिक्त मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट क्रम-1 महानगर द्वितीय ने नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर की ओर से प्रकाशित श्रीमद्भागवत सेवा महापुराण अमृतम पुस्तक में भक्त शिरोमणी मीरा बाई सहित अन्य साधु-सन्यासियों पर टिप्पणी के आरोप मामले में करधनी पुलिस थाने से जांच रिपोर्ट देने के लिए कहा है। वहीं मामले की सुनवाई 5 जनवरी 2025 को तय की है। कोर्ट ने यह निर्देश बालयोगी नोमीनाथ के परिवाद पर दिया है।

मामले से जुड़े अधिवक्ता अनिल चौधरी व सुरेन्द्र सिंह राठौड ने बताया कि कोर्ट ने पूर्व में भी पुलिस को जांच करने का निर्देश दिया था, लेकिन पुलिस ने मामले में जांच नहीं की है। इसलिए कोर्ट ने पुलिस को पुन: जांच का निर्देश दिया है। परिवाद में कहा है कि इस पुस्तक में मां मीरा बाई के लिए गंभीर बातें कहीं गई हैं और यह सामाजिक व धार्मिक तौर पर मीरा बाई को कलंकित करने का प्रयास किया है।

इस मामले में परिवादी के कोर्ट में बयान दर्ज हो चुके हैं। अपने बयानों में परिवादी ने कहा कि पुस्तक के पेज संख्या 59 पर परंपरागत संतों और सनातन सम्प्रदाय को नहीं मानने वालों को आतंकवादी कहा गया है। ऐसा कहना साधु सन्यासियों का घोर अपमान है। पुस्तक में राधा-कृष्ण के प्रेम को भी शारीरिक संबंधों के विश्लेषण की व्याख्या करते हुए कथाओं को तोड़-मोड़कर मनगढ़त तरीके से प्रकाशित किया गया है। परिवाद में नारायण सेवा संस्थान की कल्पना गोयल और कमला अग्रवाल सहित अन्य को पक्षकार बनाया है।

शोक जताया

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने गुरूवार को अजमेर रोड हादसे में भाजपा के बूथ अध्यक्ष राधेश्याम चौधरी की असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया और शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया।

बारिश से खराब सड़कों की मरम्मत के लिए 965 करोड़ रुपये स्वीकृत

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने गुरुवार को निर्माण भवन में आयोजित समीक्षा बैठक को सम्बोधित किया।

- **सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए विशेष अभियान चलाया जायेगाः दिया कुमारी**

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को विशेष अभियान चला कर दुर्घटना सम्भावित क्षेत्रों में सड़कों की मरम्मत, अतिक्रमण हटाने, स्पीड ब्रेकर ठीक करवाने, जेबरा क्रोसिंग, साईनेंज सहित अन्य आवश्यक सुविधायें विकसित करने के निर्देश दिए है। उन्होंने बताया कि वर्षा से क्षतिग्रस्त सड़कों की स्थाई मरम्मत के लिए 964.43 करोड़ रुपये की वित्तिय स्वीकृति जारी कर दी गई है इस राशि से प्रदेश में वर्षा से क्षतिग्रस्त लगभग 2328 कार्यों की स्थायी मरम्मत करवाई जायेगी। इस राशि से सड़क पुल आदि की मरम्मत करवाई जायेगी।

उपमुख्यमंत्री गुरुवार को निर्माण भवन में आयोजित समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रही थी। उपमुख्यमंत्री ने सभी अधिकारियों को नियमित फिल्ड विजिट कर सड़कों की गुणवत्ता जांच करने के निर्देश दिए हैं। उन्होनें निर्देश दिए है कि अधिकारी जिन सड़कों का निरीक्षण करेंगे उसकी रिपोर्ट हर सात दिन में प्रस्तुत करेंगे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यदि निरीक्षण की गई सड़को की गुणवत्ता खराब मिलेगी तो निरीक्षण करने वाले अधिकारी की जिम्मेदारी तय होगी।

उपमुख्यमंत्री ने कहा है कि कार्बन फुट प्रिंट कम करने के लिए सड़क निर्माण में पर्यावरण हितैषी सामग्री का इस्तेमाल करें। उन्होनें बायो बिटूमिन का प्रयोग कर एक सड़क पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए हैं। डीपीआर निर्माण सेंट्रलाइज्ड हो, ताकि प्रोजेक्टस समय पर पूरे हो-उपमुख्यमंत्री ने कहा है कि बजट घोषणाओं सहित अन्य योजनाओं के तहत बनने वाले पुल, सड़क आदि की डीपीआर बनाने का कार्य सेंट्रलाइज्ड किया जाये ताकि समय पर प्रोजेक्टस को शुरू करवाकर उन्हें तय अवधि में पूरा किया जा सकें। उन्होनें कहा प्राय देखने में आता है कि स्थानीय स्तर पर डीपीआर बनाने के काम में देरी होने की वजह से काम समय पर शुरू नही हो पाते है और जनता को उसका तय समय पर लाभ नही मिल पाता है।

दृश्यता बढ़ाने के उद्देश्य से सड़क के शोल्डर्स की जंगल क्लियरेंस के कार्य, सड़क भूमि पर अतिक्रमण हटाने हेतु जिला प्रशासन के साथ समन्वय कर आवश्यक कार्यवाही, अनाधिकृत मीडियन कट को बंद किया जाना, रोड साइनेज व लेन मार्किंग के कार्य को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करना, जंक्शन्स पर कैट्स ऑय लगाने व रम्बल स्ट्रिप्स के कार्य,घुमंतू जानवरों की रोकथाम हेतु स्थानीय निकाय से समन्वय कर सडको से दूर करना तथा एनजीओ अथवा रक्षा मित्र के साथ मिलकर कालर रिफ्लेक्टर लगाने सहित अन्य महत्वपूर्ण कार्य किए जायेगें। इसके साथ ही सड़क मिडियन पर लगे पेडों की ऊँचाई एक निर्धारित हाईट के बाद छटाई करवाने के कार्य भी किए जायेगें।

कोटा शहर में गंदगी का अंबार, सड़कों के पेचवर्क भी नहीं हो रहे

कोटा, (निसं)। राजस्थान की भाजपा सरकार का एक साल का जश्न मनाया जा रहा है, लेकिन ये जश्न केवल दिखावा है, लोगों को बरगलाने का प्रयास है लेकिन इस एक साल में ही जनता हताश, परेशान और निराश हो चुकी है।

कोटा शहर की बात करें तो जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हैं, क्राइम चरम पर पहुंच गया है, आए दिन साइबर ठगी, लूट, डकैती, दुष्कर्म, हत्या और चाकूबाजी के मामले सामने आ रहे हैं। शहर में सुविधाओं के नाम पर कुछ नहीं है, इन एक साल में कोटा में एक भी काम नहीं हुआ।

शहर की जो सड़कों पर पेचवर्क तक नहीं हो रहा है और अधिकारी बजट नहीं होने का हवाला दे रहे हैं। इस सरकार के पास कोई विजन नहीं है। केडीए और नगर निगम में लोग चक्कर काट रहे हैं, ना तो पट्टे बन रहे हैं और ना ही सफाई हो रही है, नाली पटान तक के कार्यों के लिए लोगों को सघर्ष करना पड़ रहा है।

महापुरूषों पर टिप्पणी कर मुख्य मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास किया जा रहा है, जिसे जनता अब समझ गई है। निगम की बोर्ड बैठक तक नहीं हो रही है, बैठक में पार्षद अपनी बात को रख सकता है, लेकिन बोर्ड बैठक नहीं होने से जनता की आवाज को दबाने का प्रयास किया जा रहा है।

सोनू कुरैशी ने कहा कि कांग्रेस सरकार के पांच सालों को जनता याद कर रही है, चम्बल रिवर फ्रंट जहां कोटा महोत्सव बनाया जा रहा है, सिटी पार्क, किशोर सागर, में पर्यटक आ रहे हैं। कोटा में कांग्रेस के समय हर वार्ड में सीसी सड़के बनाई गई थी, पार्क निर्मित किए थे, कब्रिस्तान और शमशानों के काम हुए थे, वार्ड की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सामुदायिक भवन, शौचालय, नाली, स्कूल सहित कई जगह कार्य हुए थे। लेकिन इन एक साल में जनता ने कष्ट भोगा है, उन्हें गुमराह किया जा रहा है, अब हर आमजन कहने लगा है कि भाजपा के बाकी चार साल में क्या हालत होने वाली है, यह सोचकर डर लगने लगा है।

सार-समाचार

अभियान के तीसरे चरण का शुभारम्भ आज

कोटा, (निसं)। अभावग्रस्त परिवारों की गर्भवती महिलाओं को पोषण की उपलब्धता और स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की पहल पर 2020 में कोटा से शुरू हुए सुपोषित मां अभियान को देशभर में सराहना मिली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पीकर बिरला की इस पहल की न केवल संसद भवन में प्रशंसा की बल्कि इसे हर सांसद के लिए अनुकरणीय बताया। इस अभियान के तीसरे चरण की शुरुआत शुक्रवार को श्रीराम रंगमंच, दशहरा मैदान, कोटा में आयोजित कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला तथा केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी द्वारा की जाएगी। गर्भवती महिला स्वयं स्वस्थ रहे और स्वस्थ शिशु को जन्म भी दे, इस ध्येय से प्रारम्भ हुए सुपोषित माँ अभियान को अपने लक्ष्य से कहीं अधिक सफलता मिली। कोटा-बून्दी की 5 हजार गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य सुरक्षा के लक्ष्य के साथ शुरू हुए इस अभियान का लाभ पिछले 5 वर्ष में 15 हजार महिलाओं को मिला। उचित पोषण मिलने से गर्भवती महिलाओं की स्थिति में सुधार हुआ है और वे स्वस्थ शिशु को जन्म दे रही हैं।

नहर में अधेड़ का शव मिला

कोटा, (निसं)। रेलवे कॉलोनी थाना इलाके के नहर में एक 40 वर्षीय व्यक्ति का शव तैरता हुआ मिला। रेलवे कॉलोनी इलाके के रेलवे अस्पताल के समीप नहर में एक व्यक्ति के शव के पड़े होने की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और एनडीआरएफ टीम को मौके पर बुलाकर नहर की जलकुंभी में फंसे शव को बाहर निकलवाया गया। नहर में अज्ञात व्यक्ति का शव देखकर मौके पर काफी लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। रेलवे कॉलोनी थाने के हैड कांस्टेबल महेन्द्र ने बताया कि रेलवे अस्पताल के समीप नहर में एक व्यक्ति के शव पड़े होने की सूचना मिली। सूचना पर मौके पर टीम को बुलाकर शव को बाहर निकलवाया। हैड कांस्टेबल ने बताया कि मौके पर ही मृतक की शिनाख्त के प्रयास किये गये। लेकिन काफी प्रयास के बाद भी मौके पर मृतक की शिनाख्त नही हो पाई। मृतक की उम्र करीब 40 वर्ष है। मृतक का शव फुला हुआ और ऑखे बाहर निकली हुई थी। मृतक के हाथ मे विजय के नाम का टेटू गुदा हुआ था। संभवत: शव दो तीन दिन पुराना है। मृतक के शव की शिनाख्त नही होने पर मृतक के शव को एमबीएस अस्पताल के पोस्टमार्टम रूम मे रखवा दिया है। मृतक की शिनाख्त के प्रयास जारी है।

श्याम भजनों पर झूमे श्रद्धालु

छबड़ा (निसं)। कीर्तन कि है रात, बाबा आज थाने आनो है, तू है मेरा एक संवारा, कभी रूठना न मुझसे श्री श्याम सांवरे जैसी मधुर भजनों की रसधार ऐसी बही कि बुधवार की रात लखदातार खाटू नरेश के नाम रही। श्रद्धालु पूरी रात झूमते रहे। कार्यक्रम आरंभ से पूर्व सर्वप्रथम श्रीखाटू श्याम बाबा की प्रतिमा के सम्मुख अखंड ज्योति प्रज्वलित की गई। श्री श्याम सेवा मंडल के तत्वावधान में आयोजित इस भक्तिमय अनुष्ठान में बाबा का अनुपम भव्य श्रृंगार, अखंड ज्योति, रात्रि जागरण, बाबा की आराधना, अर्चना वंदना आदि की प्रस्तुति की गई। आयोजित भजन-कीर्तन कार्यक्रम में उपस्थित भक्तगण भजनों की अमृतवर्षा में गोता लगाते रहे। जागरण में इंदोर से दुर्गा गामड, ग्वालियर के आषिश षर्मा व षिवानी षर्मा ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति से माहौल को भक्तिमय बना दिया और स्थानीय भजन गायक बनवारी षर्मा द्वारा भी बाबा ष्याम को रिझाने के लिए गाए सुंदर भजनो से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। गायको ने राजस्थानी में भजन गाकर श्रोताओं में भक्तिरस बिखेर दिया और भजनों से परिसर को खाटू नगरी बना दिया।

जिला स्तरीय कार्यक्रम आज

झालावाड़ (निसं)। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मुख्य आतिथ्य में 27 दिसम्बर को पंचायती राज विभाग में स्वामित्व योजनान्तर्गत पट्टे व प्रोपर्टी पार्सल वितरण एवं लाभार्थियों से सम्बोधन कार्यक्रम आयोजित होगा। जिसका लाइव प्रसारण प्रदेश के सभी जिलों में किया जाएगा। झालावाड़ जिले में ग्रामीण विकास, पंचायतीराज, आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग के राज्य मंत्री एवं झालावाड जिले के प्रभारी मंत्री ओटाराम देवासी के मुख्य आतिथ्य में 27 दिसम्बर को प्रात: 10 बजे मिनी सचिवालय स्थित ऑडिटोरियम में पंचायती राज विभाग में स्वामित्व योजनान्तर्गत पट्टे व प्रोपर्टी पार्सल वितरण का जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

दो डम्पर में भिड़ंत, एक की मौत

छबड़ा (निसं)। छबड़ा-धरनावदा सडक मार्ग पर बीती रात्रि को दो डंपरों में हुई आमने-सामने की भिड़ंत में एक डम्पर चालक की मृत्यु हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर छबडा सीएचसी में पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच प्रारम्भ कर दी है। बापचा थाना अधिकारी बुद्धराम जाट के अनुसार राजेश कुमार गुर्जर (30) पुत्र वीरेंद्र सिंह निवासी दाता मोतीपुरा थाना मोठपुर डम्पर से छबडा से प्लांट की ओर जा रहा था। वही दूसरी ओर से भी डम्पर आ रहा था। इसी बीच बापचा फाटक के निकट दोनों डम्परों में आमने सामने की भिडंत हो गई। इस भिडंत में राजेश कुमार की मृत्यु हो गई।

आयुष्मान आरोग्य शिविर आज

रामगंजमण्डी (निसं)। मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविर 27 दिसम्बर, शुक्रवार को जिले के खैराबाद सहित ग्रामीण क्षेत्रों में पांच जगह आयोजित होंगे। सीएमएचओ डॉ जगदीश सोनी ने बताया कि ब्लॉक लाडपुरा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अरण्डखेडा सांगोद के मोईकलां सुल्तानपुर के गढ़ेपान इटावा के लुहावद और खैराबाद ब्लॉक के खैराबाद पीएचसी पर शिविर लगाए जाएंगे। शिविर में ग्रामीणों को विभिन्न स्वास्थ्य जांचे परामर्श व उपचार की सुविधा के साथ ही दवाईयां दी जाएंगी एवं आभा आईडी भी बनाई जाएगी।

राज्य स्तर के लिए शीतल का चयन

रामगंजमण्डी (निसं)। राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित युवा महोत्सव में मोडक की शीतल मेहता ने खडताल वादन में प्रथम स्थान प्राप्त कर क्षेत्र का मान बढ़ाया। संभाग स्तरीय इस प्रतियोगिता में चार जिलों के प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा और अपनी अद्भुत कलाओं का प्रदर्शन किया। शीतल मेहता ने अपने खडताल वादन से श्रोताओं और निर्णायक मंडल को मंत्रमुग्ध कर दिया।उनकी प्रस्तुति ने न केवल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दिलाया, बल्कि उन्हें राज्य स्तरीय महोत्सव के लिए भी चयनित किया गया है। अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने गुरुजनों और माता-पिता को दिया।

करंट से युवक की मौत

छबड़ा (निसं)। बापचा में घरेलू कार्य करते समय विद्युत करंट लगने से एक युवक की मृत्यु हो गई। पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने मामले की जांच प्रारंभ कर दी गई। बापचा पुलिस के अनुसार अजय सहरिया (20) पुत्र नंदकिशोर निवासी बापचा घरेलू कार्य करते समय झुलस गया। परिजन उपचार के लिए उसे छबड़ा चिकित्सालय लेकर आए। चिकित्सक ने उसे जांच उपरांत मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

नगर कीर्तन निकाला

रावतभाटा, (निसं)। गुरु रूप प्यारी साध संगत जी गुरुद्वारा सिंह सभा रावतभाटा में श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज के छोटे बच्चे बाबा जोरावर सिंह जी या बाबा फतेह सिंह जी की शहीदी को मुख रखते हुए वीर बाल शहीदी दिवस मनाया गया। जिस में पुराना बाजार से प्रभात फेरी के रूप में संगत ने नगर कीर्तन किया, प्रभात फेरी एनटीसी तक गई। पुन: प्रभात फेरी गुरुद्वारा आई। गुरुद्वारा साहिब में कीर्तन, कथा विख्यान हुआ। जिसमें आए गुरनाम सिंह ने कथा की ज्ञानी सतनाम सिंह जी ने कीर्तन कर संगत को निहाल किया। अनात में अरदास करके अटूट लंगर वर्तया गया। रास्ते में आते समय सभी लोगों ने फुलो से स्वागत किया।

सतर्कता समिति की बैठक

झालावाड़ (निसं)। जिला जन अभाव अभियोग निराकरण एवं सतर्कता समिति की बैठक गुरूवार को मिनी सचिवालय के सभागार में जिला कलेक्टर अजय सिंह राठौड की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिला जन अभाव अभियोग निराकरण एवं सतर्कता समिति की बैठक में अतिक्रमण हटवाने एवं ट्रान्सफार्मर लगवाने संबंधी 6 प्रकरणों पर जिला कलक्टर ने संबंधित अधिकारियों के साथ चर्चा की।

कार्यक्रम आयोजित

बूंदी (निसं)। शहर में नई पेयजल वितरण प्रणाली व नाला निर्माण का कार्य कर रही राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना (आरयूआईडीपी) के सामुदायिक जागरुकता एवं जन सहभागिता कार्यक्रम के तहत रूडीप की अधिशाषी अभियंता सोनम शर्मा के निर्देशन तथा कनिष्ठ अभियंता कुश कुमार के सहयोग से शहर के मोरडी पाड़ा वार्ड नंबर 14 में लक्षित समूह चर्चा कार्यक्रम आयोजित कर परियोजना के बारे में जागरूक किया गया।

टीकाकरण अभियान 31 तक

बूंदी (निसं)। चिकित्सा विभाग की ओर से नियमित टीकाकरण का विशेष अभियान 31 दिसम्बर तक आयोजित किया जाएगा। इसके तहत ऐसे बच्चे जिनकी उम्र 10 सप्ताह से ज्यादा हो गया है, जिनको अभी तक किसी भी कारण से पेंटावेलेंट वैक्सीन व अन्य साथ दी जाने वाली वैक्सीन की प्रथम खुराक भी नहीं दी गई है को 31 दिसम्बर तक चलाए जाने वाले विशेष अभियान में टीकाकरण किया जाएगा।

रेल कर्मचारियों के कई मुद्दों पर चर्चा की

कोटा, (निसं)। रेलवे में यूनियनों के मान्यता के चुनाव के पश्चात आयोजित प्रथम पीएनएम मीटिंग मण्डल रेल प्रबंधक मनीष तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें रेल कर्मचारियों के कई ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा हुई। संघ प्रवक्ता विमल मित्तल ने बताया कि वार्ता के प्रारम्भ में मण्डल रेल प्रबंधक कोटा द्वारा संघ के मण्डल अध्यक्ष एवं मण्डल सचिव व समस्त कार्यकर्ताओं को जीत की बधाई दी, एवं मण्डल की सकारात्मक उपलब्धियों पर चर्चा की गई है।

मण्डल अध्यक्ष एस.के. गुप्ता ने बताया कि इन्जीनियरिंग रेल पथ डिपो में चार पहिया वाहनों की वैद्यता समाप्त हो गई हैं, उसके एवज में पिकअप वैन उपलब्ध करवाने की मांग की गई। वहीं इन्जीयरिंग विभाग में वॉचमैन के पदों को हटाने के पश्चात वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध करवाने की भी मांग की गई। मीटिंग में मण्डल सचिव अब्दुल खालिक ने रेल कर्मचारियों की समस्याओं से संबंधित कई गम्भीर मुद्दे उठायें। पीवे कई स्टॉफ सरप्लस किये जा रहे है जिन्हे वैकल्पिक पद वर्कशॉप/स्टोर कोटा दिये जाने के कारण स्थानान्तरण से पैतृक निवास छोड़ना पड़ रहा है इस समस्या के निराकरण के लिए कर्मचारियों को अन्य वैकल्पिक पद उनके पैतृक स्टेशन पर किये जाने की मांग की गई। सुपरवाईजरों को साप्ताहिक विश्राम दिये जाने की मांग की गई, इसके साथ ही इन्जीनियरिंग विभाग के ट्रेकमेन्टैनर्स को बिना दावा फार्म भरवाये, साईकिल एलाउन्स 180 रूपये प्रतिमाह भुगतान करवाने की मांग की गई। वन्दे भारत ट्रेन में जो स्टॉफ वर्किंग को लेकर जो पॉलिसी बनी हुई है उसकी अनुपालना की जायें।

सार-समाचार

एस.डी.पी. डोनेट की

कोटा, (निसं)। कोटा शहर में रक्तदान को लेकर बेहद जागरूकता है और सेवाभावी लोगों के कारण हर संभव मदद मरीज की हो रही है, लेकिन यदि एबी नेगेटिव ग्रुप का केस सामने आए तो सभी व्याकुल हो जाते हैं, परेशानियां बढ़ जाती है, क्योंकि शहर में गिने चुने लोग ही हैं जिनका एबी नेगेटिव ब्लड ग्रुप है और यदि एसडीपी की डिमांड आ जाए तो असंभव सा कार्य लगता हैं। लेकिन टीम जीवन दाता के प्रयास से असंभव कार्य को भी संभव किया जा रहा है। टीम जीवन दाता के संरक्षक व संयोजक भुवनेश गुप्ता ने बताया कि मरीज अंकित पांडे को ए प्लास्टिक एनीमिया की शिकायत पर चिकित्सकों ने एबी नेगेटिव एसडीपी के लिए कहा, अटेंडर संदीप पांडे उनके भाई परेशान हो रहे थे, उन्होंने अपने स्तर पर काफी प्रयास किया लेकिन कोई सफलता नहीं मिली, ऐसे में उन्होंने भाजपा के विकास शर्मा को कॉल किया, विकास शर्मा ने टीम जीवनदाता से संपर्क किया। भुवनेश गुप्ता ने बताया कि उसके बाद अपनी ड्यूटी निभा रहे ब्रजराज सिंह को कॉल किया। वह होमगार्ड में अपनी ड्यूटी कर रहे थे, ब्रजराज सिंह की कुछ समय पहले ही टीम जीवनदाता द्वारा मदद की गई थी, उस समय उन्होंने कहा था की सेवा के लिए वह भी आगे आएंगे और उसी के तहत ब्रजराज सिंह ने अपने उच्च अधिकारियों से अनुमति ली और वह सीधे अपना ब्लड सेंटर तलवंडी पहुंचे और उन्होंने 7वीं बार एबी नेगेटिव एसडीपी डोनेट की। वह इससे पूर्व 35 बार ब्लड डोनेशन कर चुके है। वह इससे पूर्व भी कई बार एसडीपी डोनेट कर सेवा कार्य कर चुके हैं। दिनभर से एसडीपी के लिए परेशान परिजनों को जब एसडीपी मिली तो उन्होंने टीम जीवनदाता का आभार जताया और राहत की सांस ली।

शिविरों में 73 प्रकरणों का निस्तारण

झालावाड़ (निसं)। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में गुरूवार को जिले के सभी ब्लॉक मुख्यालय पर संबंधित उपखण्ड अधिकारियों के निर्देशन में विशेष अटल जन सेवा शिविर आयोजित किये गए। अतिरिक्त जिला कलेक्टर सत्यनारायण आमेटा ने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी के अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के तहत झालावाड जिले के सभी ब्लॉक (पंचायत समिति) पर आयोजित विशेष अटल जन सेवा शिविरों में आमजन की परिवेदनाओं की सुनवाई कर प्राप्त कुल 89 प्रकरणों में से 73 प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण करवाया गया तथा शेष 16 प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण करने के लिए परिवादी को आश्वस्त किया गया।

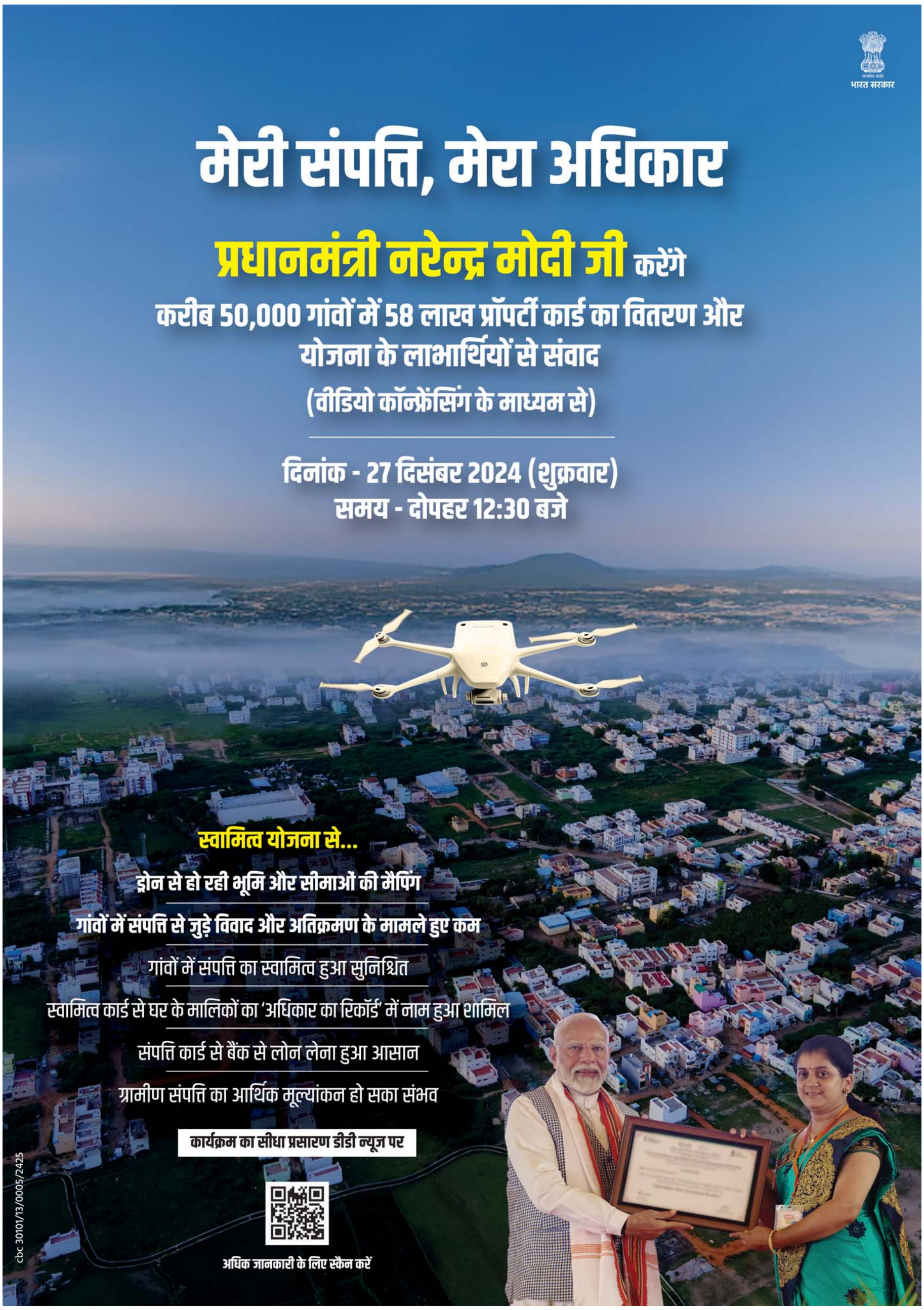

'मल्टीस्टोरी बिल्डिंग में दिव्यांगों के लिए सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई तो भवन संपूर्णता प्रमाण पत्र नहीं मिलेगा'

राशन की सुविधा घर पर मुहैया कराने के साथ ही उनके लिए विशेष पंक्ति की सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश

कोटा, (निसं)। राज्य आयुक्त, विशेष योग्यजन उमा शंकर शर्मा ने कहा कि दिव्यांगजनों के अधिकारों को संरक्षित करते हुए उन्हें भी सभी क्षेत्रों में सुगम्यतापूर्वक सुविधाओं की पहुंच उपलब्ध कराना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्हें भी सभी की तरह अवरोध मुक्त वातावरण उपलब्ध कराते हुए उनका सशक्तिकरण सुनिश्चित करें जिससे वे समाज की मुख्य धारा में अपना योगदान दें सकें। विशेष योग्यजन आयुक्त गुरूवार को सर्किट हाऊस कोटा में जनसुनवाई से पहले जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

शर्मा ने राशन की दुकानों पर विशेष योग्यजनों को प्राथमिकता से राशन देने और उन्हें राशन की सुविधा घर पर मुहैया कराने के साथ ही उनके लिए विशेष पंक्ति की सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश जिला रसद अधिकारी को दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन सिनेमा हॉल, मॉल, स्कूल बिल्डिंग, अस्पतालों एवं मल्टी स्टोरी बिल्डिंग में दिव्यांगों के लिए सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई गई हैं और जो राजस्थान मॉडल भवन विनियम के तहत दिव्यांगजन के लिए किए गए प्रावधानों का उल्लंघन करते हैं उन्हें भवन संपूर्णता प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जाए। साथ ही, उन्होंने निजी स्कूल भवनों का सर्वे कर यह सुनिश्चित करने को कहा कि वहां दिव्यांग बच्चों के लिए समस्त सुविधाएं उपलब्ध हों। उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों से पिछले दस वर्ष में प्राईवेट स्कूलों में दिव्यांग बच्चों को दिए गऐं एडमिशन एवं स्कूल भवन में रैम्प सहित दिव्यांगों के लिए उपलब्ध सुविधाओं के बारे में सर्वे कर सूची तैयार करने के निर्देश दिए।

कोटा में विशेष योग्यजन आयुक्त उमा शंकर शर्मा ने दिव्यांगजनों की जनसुनवाई की।

- सिनेमा हॉल, मॉल, स्कूल बिल्डिंग, अस्पतालों को भी पालना करनी होगी
- बैंकों को दिव्यांगजनों के लिए डोर स्टेप बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश

उन्होंने कहा कि सर्वे के दौरान प्राइवेट स्कूल बिल्डिंग दिव्यांगों के लिए अनुकूल नहीं पाए जाने एवं नियमों की पालना नहीं करने पर उन पर विधि अनुसार कार्रवाई की जाऐं। साथ ही, उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि राजकीय एवं निजी विद्यालयों में दिव्यांगजनों की शैक्षणिक गतिविधियों के संदर्भ में जारी दिशा-निर्देशों की पालना सुनिश्चित की जाए।

आरएसआरटीसी को रोडवेज बस स्टेंड पर दिव्यांगों के लिए रैम्प, व्हीलचेयर सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि रोडवेज बसों में दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित सीट पर कोई अन्य यात्री बैठा हो और दिव्यांगजन को खड़े रहकर यात्रा करनी पड़े ऐसा नहीं हो, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि कोई दिव्यांग यात्री सड़क पर खड़ा हो तो वहां स्टोपेज नहीं होने पर भी बस रोककर उसे बिठाया जाए। उन्होंने स्वरोजगार योजना के तहत दिव्यांगजनों के ऋण स्वीकृत करने में अनावश्यक देरी करने वाले बैंकों से सम्पर्क कर ऋण स्वीकृति में तेजी लाने एवं बैंकों को दिव्यांगजनों के लिए डोर स्टेप बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। विशेष योग्यजन आयुक्त ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि दिव्यांग बच्चों के चिन्हीकरण के लिए अभियान चलाएं। उन्होंने कहा कि दिव्यांग बच्चों का डेटा उपलब्ध होगा तो उन्हें सरकार की योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। परिवहन विभाग के अधिकारियों को 10 लाख रूपये तक के व्हीकल पर दिव्यांगों को मिलने वाली छूट के बारे में व्यापक प्रचार-प्रसार करने एवं दिव्यांगजन को लाइसेंस जारी करने से पहले होने वाले ट्रायल के लिए दिव्यांगजन अनुकूल स्कूटी की सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

शर्मा ने कोटा विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को पिछले पांच सालों में निजी क्षेत्र में बने भवनों में दिव्यांगों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का सर्वे कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। विशेष योग्यजन आयुक्त ने सर्किट हाऊस में दिव्यांगजनों की जनसुनवाई की और उनकी शिकायतों के संबंध में अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। बल्लभबाड़ी कच्ची बस्ती निवासी दिव्यांग बनवारी का आधार कार्ड अपडेट नहीं होने से योजनाओं का लाभ नहीं मिलने की शिकायत पर उन्होंने जिला रसद अधिकारी (कोटा ग्रामीण) को आधार कार्ड अपडेट करवाने के निर्देश दिए। साथ ही, विभिन्न परिवादियों की कई वर्षों से चली आ रही समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण कर सरकारी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई।

रामपुरा व्यापारी समिति का शपथ ग्रहण एवं दीपावली मिलन समारोह संपन्न

कोटा, (निसं)। रामपुर व्यापारी समिति का शपथ ग्रहण एवं दीपावली स्नेह मिलन समारोह गुमानपुरा स्थित अणुव्रत भवन में संपन्न हुआ। रामपुरा व्यापारी समिति के अध्यक्ष प्रदीप पाटनी सचिव ऋषभ जैन ने बताया कि समारोह की अध्यक्षता कर रहे कोटा व्यापार महासंघ के महासचिव एवं होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान कोटा डिवीजन के अध्यक्ष अशोक माहेश्वरी ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई।

समारोह के मुख्य अतिथि कोटा दक्षिण के विधायक संदीप शर्मा थे अध्यक्षता कोटा व्यापार महासंघ के महासचिव अशोक माहेश्वरी ने की समारोह के विशिष्ट अतिथि जनरल मर्चेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष राकेश कुमार जैन थे। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि कोटा दक्षिण के विधायक संदीप शर्मा ने कहा कि कोटा महोत्सव का आयोजन इतना सफल रहा कि पूरे देश-प्रदेश में इसकी गुंज हो चुकी है और हम सब ने मिलकर इस आयोजन को जिस तरह से सफल बनाया है सभी को एक मंच पर लाकर खड़ा किया हैं। शर्मा ने कहा कि वर्तमान में आर्थिक चुनौती को देखते हुए हमे कोटा को नई दिशा देने के तहत पर्यटन और औद्योगिक विकास की ओर ध्यान देना होगा उन्होंने होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान कोटा डिवीजन के अध्यक्ष अशोक माहेश्वरी द्वारा पिछले 6 माह से हाड़ौती के पर्यटन विकास के लिए जो मिशन छेड़ रखा है उसके लिए उनके कुशल प्रबंधन और कड़ी मेहनत से कोटा महोत्सव जन-जन का महोत्सव के रूप में मनाया गया और यह महोत्सव कोटा व हाड़ौती के पर्यटन क्षेत्र को आगे बढ़ाने एवं नई ऊंचाई देने की भी शुरुआत है हम सबको इस दिशा में बहुत काम करना है जिसमें सभी का सहयोग आवश्यक है।

सवारी गाड़ियों में 404 यात्री बिना टिकट पकड़े

कोटा, (निसं)। मंडल में बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों पर अंकुश लगाने के लिए वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन के निर्देशन में सवारी गाड़ियों में सघन टिकट चैकिंग अभियान चलाया जा रहा है। कई दिनों से लोकल सवारी गाड़ियों में बिना टिकट यात्रा करने की लगातार शिकायतें मिल रही थी। जिसके मद्देनजर मंडल मुख्य टिकट निरीक्षक अजय शर्मा के पर्यवेक्षण में कोटा-नागदा रेल खण्ड पर सवारी गाड़ियों में दिनांक 16 दिसम्बर से 22 दिसम्बर तक (सात दिवसीय) विशेष टिकट चैकिंग अभियान चलाया गया। इस अवधि में गाड़ी संख्या 06616 कोटा-नागदा पैसेंजर, गाड़ी संख्या 06647 चौमहला-कोटा पैसेंजर एवं गाड़ी संख्या 05837 अकलेरा-कोटा पैसेंजर में टिकट चैकिंग अभियान में कुल 404 यात्री बिना टिकट यात्रा करते पकड़े गए। जिनसे कुल एक लाख सोलह हजार एक सौ सत्तर रूपए का जुर्माना वसूल किया गया। इस अभियान से रेलवे ने बिना टिकट यात्रा करने वालें यात्रियों पर शिकंजा कसा हैं। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि यह कार्यवाही आगे भी निरन्तर जारी रखने के निर्देश दिए गए।

नाम परिवर्तन

मैंने अपना पुराना नाम संजय कुमार गोतम से बदलकर नया नाम संजय गोतम रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावे।

पता-संजय गोतम पुत्र मोहन लाल गोतम, फ्लेट नम्बर 106, शुभम एनक्लेव, शक्ति नगर दादाबाड़ी, कोटा

नाम परिवर्तन

मैंने अपना पुराना नाम मोहसिन अली सलीम हुसेन से बदलकर नया नाम सलीम हुसेन रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावे।

पता-सलीम हुसैन पुत्र मोहसिन अली कासिम अली सैफी बोहरा मोहल्ला कुशलगढ़ बांसवाड़ा

मां-बेटी पर जानलेवा हमले का आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने जानलेवा हमले के आरोपी को गिरफ्त में लिया।

कोटा, (निसं)। इटावा पुलिस टीम ने मां और बेटी पर चाकू से हुए प्राणघातक हमले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

कोटा ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि फरियादी हेमन्त प्रजापति ने गोविन्द प्रजापत के खिलाफ अपनी मां और बहन पर चाकू से हमला करने का मामला इटावा थाने में दर्ज कराया था। ग्रामीण एसपी ने बताया कि मां और बेटी पर प्राणघातक हमले का मामला सामने आने पर ग्रामीण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकल्याण मीणा एवं पुलिस उपअधीक्षक शिवम जोशी के सुपरविजन में इटावा थानाधिकारी संदीप विश्नोई के नेतृत्व में टीम का गठन किया। टीम ने कार्यवाही करते हुए बारां निवासी गोविन्द प्रजापत (22) को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की।

यह था मामला:- कोटा ग्रामीण एसपी सुजीत शंकर ने बताया कि 24 दिसम्बर को फरियादी इटावा निवासी हेमन्त प्रजापति ने इटावा थाने में रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि बारां निवासी गोविन्द प्रजापत उसकी छोटी बहिन से रिश्ता बनाने का दबाव बना रहा था। जिस पर मना करने पर गोविन्द घर आया और गाली-गलौच करते हुए उसकी मां और बहिन पर जान से मारने की नियत से चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने फरियादी हेमन्त प्रजापति की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर गोविन्द की तलाश शुरू की और पुलिस ने कार्यवाही करते हुए आरोपी गोविन्द प्रजापत को गिरफ्तार कर लिया।

25 साल बाद मिलेंगे इंजीनियरिंग कॉलेज ओ बैच के स्टूडेंट्स

- अमरीका, सिंगापुर, स्विट्जरलैंड तक से आ रहे एलुमिनी
- इंजीनियरिंग कॉलेज कोटा के ओ-बैच की एलुमिनी मीट रजत-ओ-संगम आज से

कोटा, (निसं)। इंजीनियरिंग कॉलेज कोटा वर्तमान में राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय संबंद्ध इंजीनियरिंग कॉलेज के ओ बैच की तीन दिवसीय एलुमिनी मीट 27 से 29 दिसम्बर तक आयोजित होने जा रही है। इस आयोजन को रजत-ओ-संगम नाम दिया गया है। आयोजन से जुड़े विष्णु गोयल एवं राकेश मेवाड़ा ने बताया कि 1995 में इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रवेश और 1999 में पासआउट ओ बैच की ओर से यह एलुमिनी मीट आयोजित होने जा रही है।

यह आयोजन पूर्व में प्रवेश वर्ष के आधार पर वर्ष 2020 में होना था लेकिन कोविड के चलते स्थगित होने के बाद अब पासआउट वर्ष के आधार पर आयोजन किया जा रहा है।

तीन दिवसीय आयोजन में शामिल होने के लिए देशभर से पुराने स्टूडेंट्स आ रहे हैं। इनमें बैंगलुरू, दिल्ली, मुम्बई, पुणे, सहित कई शहरों के अलावा ब्रिटेन, कनाडा, अमरीका, सिंगापुर, स्विट्जरलैंड तक से पूर्व विद्यार्थी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आ रहे हैं। परिवार सहित आ रहे एलुमिनी में से कई दशकों बाद कोटा आएंगे तो कुछ के परिवार पहली बार कोटा आएंगे और यहां शहर के बदले हुए स्वरूप को निहारेंगे। 27 दिसम्बर को सभी विद्यार्थी एकत्रित होकर इंजीनियरिंग कॉलेज के भ्रमण पर जाएंगे।

दोपहर 3:30 से पांच बजे तक वहां शिक्षकों से मिलेंगे और उनका अभिनन्दन करेंगे। इस दौरान पुराने अनुभव साझा किए जाएंगे। इसके बाद शाम 6 से 8.30 बजे तक जम्बूरी सांस्कृतिक संध्या होगी, जिसमें कई प्रस्तुतियां होंगी। 28 दिसम्बर को चम्बल रिवर फ्रंट की विजिट होगी, इसके बाद एलुमिनी के बच्चों की प्रस्तुतियां भी होंगी।

रात को मेनाल रेजीडेंसी होटल में बॉलीवुड नाइट होगी। 29 दिसम्बर को सिटी पार्क का भ्रमण करते हुए एलन के समुन्नत ऑडिटोरियम में विदाई और अनुभव साझा करने के साथ-साथ हमेशा साथ जुड़े रहने के संकल्प के साथ एक-दूसरे को विदा कहेंगे।

गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं के टीके लगाए

बून्दी (निसं)। गुरुवार को एनसीएचएन डे पर बाजड़ उप स्वास्थ्य केंद्र पर टीकाकरण किया गया। इस दौरान गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं के टीके लगवाए गए। एएनएम नफीसा बानो ने बताया कि टीकाकरण के दौरान महिलाओं का वजन, बीपी, शुगर आदि की जांच की गई, साथ ही महिलाओं को पोषण संबंधी जानकारी भी दी। यहां पर आशा सहयोगिनी संतोष, चिंता मेघवाल, संजू मीना, लक्ष्मी सेन, गीता मेहर, सीएचओ रामावतार मीणा मौजूद रहे।

लापता नाबालिग बालिका को बून्दी से दस्तयाब किया

कोटा, (निस)। ऑपरेशन हर्ष अभियान में मानव तस्करी विरोधी यूनिट टीम ने कार्यवाही करते हुए कैथून से 25 दिन से लापता चल रही नाबालिग बालिका को बून्दी जिले के खटकड़ से दस्तयाब किया है।

कोटा ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि तीन दिसंबर को नाबालिग बालिका के भाई ने कैथून थाने में रिपोर्ट दी थी। भाई ने कहा कि 1 दिसंबर को पूरा परिवार खाना खाकर सो गया जिसके बाद उनकी छोटी बहिन बिना बताये कही चली गई। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मामला सामने आने के बाद कोटा ग्रामीण के महिला अपराध अनुसंधान के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धनफूल मीणा के निर्देशन में पुलिस उपअधीक्षक राजेश ढाका एवं मानव तस्करी विरोध यूनिट के प्रभारी शोकत खान के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने तकनीकी अनुसंधान के आधार पर कार्य करते हुए 25 दिन से लापता चल रही नाबालिक बालिका को बून्दी के खटकड़ से दस्तयाब करने में सफलता हासिल की।

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 4554 | जाहिर आम सूचना | दिनांक - 26.12.24

आवास संख्या 2-एम-9 महावीर नगर विस्तार योजना कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्री रामनिवास गौड़ पुत्र श्री आनंदी लाल को किया गया। इस आवास का नियमितिकरण श्रीमती विमलेश नामा पत्नी श्री राधेश्याम नामा के नाम दिनांक 06.07.2007 को किया गया। इस आवास का पंजीयन श्रीमती विमलेश नामा पत्नी श्री राधेश्याम नामा के नाम दिनांक 14.12.2009 को अपने पक्ष में करवाया जा चुका है। मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर श्रीमती विमलेश नामा की मृत्यु दिनांक 15.03.2015 को व इनके पति श्री राधेश्याम नामा की मृत्यु दिनांक 24.09.1986 को एवं इनकी पुत्री श्रीमती मीनाक्षी की मृत्यु दिनांक 16.02.2019 को हो चुकी है। इनकी मृत्यु उपरांत इनके वारिसानों में श्री रोहित नामा पुत्र स्व. श्री राधेश्याम नामा द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर आवास संख्या 2-एम-9 महावीर नगर विस्तार योजना कोटा को मृत्यु प्रकरण में नाम हस्तांतरण/प्रतिस्थापन आवेदन पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर करने हेतु आवेदन किया गया।

अत: उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन आवेदन पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र एवं मृत्यु प्रमाण के आधार पर श्री रोहित नामा पुत्र स्व. श्री राधेश्याम नामा के नाम करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन श्री रोहित नामा पुत्र स्व. श्री राधेश्याम नामा के नाम किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन श्री रोहित नामा पुत्र स्व. श्री राधेश्याम नामा के नाम कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 4528 | जाहिर आम सूचना | दिनांक - 23.12.24

आवास संख्या 4-ए-44 महावीर नगर विस्तार योजना कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्री रामस्वरुप गौत्तम पुत्र श्री बजरंग लाल गौत्तम को किया गया। इस आवास का पंजीयन श्री रामस्वरुप गौत्तम पुत्र श्री बजरंग लाल गौत्तम द्वारा दिनांक 10.03.1999 को अपने पक्ष में करवाया गया। मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर श्री रामस्वरुप गौत्तम पुत्र श्री बजरंग लाल गौत्तम की मृत्यु दिनांक 08.04.2021 को हो चुकी है। इनकी मृत्यु उपरांत इनके वारिसानों में श्रीमती विध्या देवी पत्नी स्व. श्री रामस्वरुप गौत्तम, श्रीमती अंजू गौत्तम पुत्री स्व. श्री रामस्वरुप गौत्तम पत्नी श्री महेन्द्र गौतम, श्रीमती नीता शर्मा पुत्री स्व. श्री रामस्वरुप गौत्तम पत्नी श्री सुधीर शर्मा एवं श्रीमती संगीता गौत्तम पुत्री पत्नी श्री मुकेश द्वारा उक्त आवास में निहित अपने अविभाजित हिस्से का त्याग जरिये रिलीज डीड (त्याग पत्र) आलेखित कर दिनांक 26.06.2023 को श्री अनिल गौत्तम पुत्र स्व. श्री रामस्वरुप गौत्तम के पक्ष में किया गया। श्री अनिल गौत्तम पुत्र स्व. श्री रामस्वरुप गौत्तम द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर आवास संख्या 4-ए-44 महावीर नगर विस्तार योजना कोटा को उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन अपने नाम आवेदन पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, घोषणा पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र रिलीज डीड (त्याग पत्र) के आधार पर करने हेतु आवेदन किया गया।

अत: उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन आवेदन पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, घोषणा पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं रिलीज डीड (त्याग पत्र) के आधार पर श्री अनिल गौत्तम पुत्र स्व. श्री रामस्वरुप गौत्तम के नाम करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन श्री अनिल गौत्तम पुत्र स्व. श्री रामस्वरुप गौत्तम के नाम किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन श्री अनिल गौत्तम पुत्र स्व. श्री रामस्वरुप गौत्तम के नाम कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

सार-समाचार

केन्द्रीय कारागृह का निरीक्षण किया

कोटा, (निसं)। जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन की टीम ने गुरूवार को कोटा के केन्द्रीय कारागृह का औचक निरिक्षण किया। शहर पुलिस अधीक्षक अमृता दुहन ने बताया कि अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट अनिल कुमार सिंघल एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलिप सैनी के निर्देशन में टीम का गठन किया गया। शहर पुलिस अधीक्षक अमृता दुहन ने बताया कि केन्द्रीय कारागृह में किये गये औचक निरिक्षण के दौरान गठित टीम ने बंदियो के सामानों, बैरिक, डिस्पेसरी, रसोईघर, एवं हार्डकोर वार्ड की सर्किट को मेटल डिटेक्टर और डॉग स्कावड की मदद से गहनता से संयुक्त रूप से तलाशी ली। शहर एसपी ने बताया कि सघन तलाशी के दौरान कारागृह एवं बंदियों के पास से कोई अवैध निषेद्ध सामग्री बरामद नही हुई है। शहर एसपी ने बताया कि केन्द्रीय कारागृह मे औचक निरिक्षण के लिये गठित कई टीम मे शहर पुलिस उपअधीक्षक प्रथम योगेश शर्मा, पुलिस उपअधीक्षक द्वितीय गंगा सहाय, पुलिस उपअधीक्षक तृतीय राजेश कुमार टेलर, पुलिस उपअधीक्षक चतुर्थ मनीष शर्मा एवं पुलिस उप अधीक्षक पंचम लोकेन्द्र पालीवाल सहित शहर के 18 थानों के थानाधिकारी एवं केन्द्रीय कारागृह के पुलिस अधिकारी व काफी संख्या में पुलिस जाप्ता को शामिल किया गया था।

नगर निगम और केडीए ने अतिक्रमण हटाए

कोटा, (निसं)। नगर निगम कोटा उत्तर व दक्षिण एवं केडीए ने गुरूवार को संयुक्त रूप से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही को अंजाम दिया और कार्यवाही के दौरान लगभग 15 हजार रूपये की जुर्माने राशि वसूली की गई। नगर निगम कोटा उत्तर के आयुक्त अशोक त्यागी ने बताया कि केडीए के अतिरिक्त पुलिस अधिक्षक महावीर शर्मा, कोटा उत्तर के पुलिस उप अधिक्षक एवं अतिक्रमण प्रभारी तरूणकांत सौमानी तथा कुन्हाडी थाना अधिकारी अरविंद भारद्वाज की अगुवाई में दोनों निगम व केडीए के अतिक्रमण निरोधक दस्तों द्वारा गुरूवार को सेंटपॉल स्कूल के मेन रोड़, कुन्हाड़ी एवं बालिता रोड़ के क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। इस दौरान अतिक्रमणकर्ताओं के ठेले,बॉडी व टेबल इत्यादि वस्तुओं को अतिक्रमण दस्तों ने संसाधनों के माध्यम से हटाया। अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही के दौरान टीम ने अतिक्रमी व्यापारियों से लगभग 15 हजार रूपये जुर्माना राशि भी वसूल की।

अरविन्द सिसोदिया के प्रन्यासी मनोनयन पर नवयुवक मंडल ने अभिनन्दन किया

कोटा, (निसं)। भीमगंजमंडी स्थित रंगपुर रोड़ गोविन्द भवन परिसर में चोपड़ा फार्म नवयुवक मंडल के द्वारा गुरुवार को अपरान्ह में भाजपा के वरिष्ठनेता अरविन्द सिसोदिया के राजस्थान सरकार के राज्य पाठ्यपुस्तक मंडल में शिक्षा प्रोत्साहन प्रन्यासी के रूप में राज्यस्तरीय मनोनयन पर सार्वजनिक अभिनन्दन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसके मुख्य अतिथि कोटा उत्तर नगरनिगम के नेता प्रतिपक्ष लव शर्मा रहे एवं संचालन नवयुवक मंडल अध्यक्ष मंगेश कुमावत नें किया।

पाठ्यपुस्तक मंडल के शिक्षा प्रोत्साहन प्रन्यासी अरविन्द सिसोदिया नें कहा कि वर्तमान समय में समाज के सामने सबसे बड़ी चुनौती के संस्कारों और नैतिकताओं के संरक्षण की है। इस दिशा में समाज को सर्वोच्च प्राथमिकता से ध्यान देना होगा।

समाज संस्कारित हो यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। सिसोदिया नें मनोनयन के लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का आभार ज्ञापित किया।

मुख्य अतिथि कोटा उत्तर नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा नेता लव शर्मा नें कहा कि अरविन्द सिसोदिया की नियुक्ति कार्यकर्ताओं के परिश्रम का सम्मान है। उनके मनोनयन से पार्टी कार्यकर्ताओं एवं समाजिकस्तर पर सकारात्मक संदेश गया है।

कोटा के अरविन्द सिसोदिया के प्रन्यासी मनोनयन पर उनका अभिनन्दन किया गया।

कार्यक्रम संयोजक एवं चोपड़ा फार्म नवयुवक मंडल अध्यक्ष मंगेश कुमावत नें बताया कि भाजपा नेता अरविन्द सिसोदिया पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता हैं उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन पार्टी और समाज की सेवा में लगा दिया। उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने से कोटा का सम्मान संपूर्ण राजस्थान में बड़ा है और कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन हुआ है।

समाजसेविका रूचि जौहरी नें कहा कि सिसोदिया कि नियुक्ति से भाजपा परिवार सहित समाज के सभी वर्गों में हर्ष का वातावरण बना हुआ है।

प्रवीण अग्रवाल पोची ने कहा कि सिसोदिया के राज्यस्तरीय प्रन्यासी बनाये जाने से विशेषकर कोटा जंकशन क्षेत्र में हर्ष एवं उल्लास व्याप्त है। समाजसेवी रणछोड़ अग्रवाल नें कहा कि सिसोदिया कि नियुक्ति कार्यकर्ताओं के परिश्रम का पार्टी द्वारा दिया गया स्वागत योग्य सम्मान है। अभिनंदन कार्यक्रम में प्रवीण अग्रवाल पोची, रूचि जौहरी, रणछोड़ अग्रवाल, महेंद्र कुमार गामा, आशीष दीक्षित, राजा खंगार, विशाल सोलंकी, कीर्ति टंडन, मीरा साहू, आशिक गोयर, उमेश डंडोरिया, कौशल शर्मा, अनूप झावा, पुरुषोत्तम दाधीच, सुमित शर्मा, अज्जू भैया, भरत शर्मा, उत्कर्ष सिंह, हर्ष वर्मा, गौरव अग्रवाल, वीरेंद्र चौहान, रोहित चंदू, विशु, जया टंडन, सुधा सिंह, मीनू मिश्रा, राजेंद्र यादव, नेहा हाड़ा, रूबी, कोयल, प्रेम गुप्ता, चेता सोनी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

कार्यालय नगर पालिका रावतभाटा, जिला -चित्तौड़गढ़ (राज.)

क्रमांक/नपारा/भूमि/2024-25/4756 | आपत्ति सूचना | दिनांक:-26.12.2024

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री मन्तेश कुमार पिता श्री शिव प्रकाश निवासी रावतभाटा के द्वारा इस कार्यालय में ऑनलाईन आवेदन पत्र एल.एस.जी. पोर्टल के माध्यम से प्रस्तुत कर गैर योजना क्षेत्र अन्तर्गत स्थित पुराने निर्मित कब्जों के नियमनशुदा आवासीय भवन संख्या 217 गैर नियोजित क्षेत्र एस.सी. छात्रावास के पीछे इन्द्रा कॉलोनी पूर्व वार्ड नं. 06, रावतभाटा जिसका पालिका द्वारा प्रशासन शहरों के संग अभियान-2012 अन्तर्गत नियमन किया जाकर भूमि पट्टा क्रमांक 217 दिनांक 10.06.2013 एवं पंजीयन दिनांक 04.07.2013 से नियमनधारी श्रीमती वीरवती पत्नि श्री शिव प्रकाश धोबी निवासी रावतभाटा के नाम पर कुल क्षेत्रफल 1435 वर्गफीट अर्थात् 159.44 वर्गगज आवासीय उपयोगार्थ का जारी किया गया था। भूखण्डधारी/नियमनधारी श्रीमती वीरवती का देहान्त दिनांक 18.11.2022 को हो जाने के कारण मृतक नियमनधारी के पुत्र (आवेदक) श्री मन्तेश कुमार पिता श्री शिव प्रकाश निवासी रावतभाटा द्वारा उक्त नियमनशुद्धा निर्मित भूखण्ड का उत्तराधिकारी नामान्तरण/हस्तान्तरण स्वयं एवं अपने भाई श्री कल्याण सिंह निवासी रावतभाटा के नाम पालिका रिकॉर्ड में दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र मय शपथ पत्र एवं अन्य समस्त वैध वारिसानों द्वारा श्री मन्तेश कुमार एवं श्री कल्याण सिंह के पक्ष में किये गये पंजीकृत हकत्याग पत्र की प्रति प्रस्तुत कर उक्त भूखण्ड का नामान्तरण/हस्तान्तरण चाहा गया है।

अत: इस भूखण्ड का उत्तराधिकारी नामान्तरण/हस्तान्तरण उपरोक्त प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर श्री मन्तेश कुमार एवं श्री कल्याण सिंह पिता श्री शिव प्रकाश निवासी रावतभाटा के नाम पर पालिका द्वारा दर्ज रिकॉर्ड किये जाने में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/विभाग/बैंक आदि को कोई उजर या आपत्ति हो तो वे इस आपत्ति सूचना प्रकाशन से 7 दिवस के अन्दर मियाद में अपनी आपत्ति इस कार्यालय में लिखित में मय प्रमाणित साक्ष्यों के साथ प्रस्तुत कर सकते है, अन्यथा बाद मियाद किसी प्रकार को कोई आपत्ति मान्य नही होगी।सूचित रहे। **अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका रावतभाटा**

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी कृषि भूमि रुपान्तरण नगर परिषद बारां

क्रमांक:-नपबा/रुपा./2024/9999-10000 | लोक सूचना | दिनांक:-23.12.2024

श्रीमती सुगना बाई कोली पत्नी श्री तेजकरण कोली निवासी हनुमान जी की बावड़ी के पास नागरिक बैंक के सामने सदर बाजार धर्मादा चोराहा बारां तहसील व जिला बारां राजस्थान ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन (कृषि आधारित वेयर हाउस गोदाम प्रयोजनार्थ) के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। अर्थात :-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नं.	क्षेत्र
बारां, तहसील व जिला बारां	बमुलिया	93/545	0.17 है.

इसलिये इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिये भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपयुर्क्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज.......को जारी की गयी।

प्राधिकारी अधिकारी आयुक्त नगर परिषद बारां

MARUTI SUZUKI ARENA
5 कारण जश्न मनाने के
GRAND ARENA MONTH
₹ 108 100 तक के शानदार ऑफ़र्स
₹ 15 000 तक के एक्सचेंज ऑफ़र्स
आपकी पुरानी कार की बेस्ट रीसेल वैल्यु
आकर्षक फाइनैंस विकल्प
मारुति सुजुकी जनवरी में कीमतों में बढ़ोतरी करेगी, मारुति सुजुकी कारों की कीमतों में 4% तक की बढ़ोतरी होगी।
MARUTI SUZUKI ARENA
4 दिन शेष
ऑफ़र्स स्टॉक रहने तक मान्य
विशेष ऑफर
ALTO K10 ₹88 100* | SWIFT ₹108 100*
BREZZA ₹50 000* | WAGONR ₹78 000*
SCAN TO CONNECT TO SHOWROOM NEAR YOU
E-BOOK TODAY AT WWW.MARUTISUZUKI.COM
T&C Apply Features and accessories shown may not be part of standard fitment. Black Glass Shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images used are for illustration purposes only. Car color may vary due to printing on paper. Offers vary across variants. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice. *Offer includes consumer offer, exchange bonus and institutional or rural offer (wherever applicable) on selected models/variants. Above mentioned savings amount is the value of maximum savings on selected models. Offer valid with selected financiers only. Above offers are valid till 31st December, 2024.